रांची, शुक्रवार, 2 जनवरी 2026

संवत 2082, पौष शुक्ल 14 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 114 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या और हमले की घटनाएं

भाषा कलाकार को सीमित नहीं कर सकती,रानी चटर्जी ने बताई सच्चे कलाकार की परिभाषा ◀◀ 6

प्रेम प्रसंग में पत्नी की हत्या कर गड्ढे में दफनाया शव

प्रेमिका से खुदवाया गड्ढा, दंडाधिकारी की मौजूदगी में बाहर निकाला गया शव

संवाददाता

पलामू: एक पति ने अपनी पति की हत्या कर शव को गड्ढे में दफना दिया। पति ने अपनी प्रेमिका के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची और प्रेमिका को बोलकर ही गड्ढा खुदवाया था। दरअसल विश्रामपुर थाना क्षेत्र के ओखला गांव की प्रियंका कुमारी पिछले कुछ दिनों से लापता थी। प्रियंका कुमारी की लापता होने की जानकारी परिजनों ने बुधवार को विश्रामपुर थाना को दी थी।

प्रियंका कुमारी की शादी 2019 में भूखला गांव के रहने वाले रंजीत मेहता के साथ हुई थी। रंजीत मेहता द्वारा प्रियंका कुमारी को लगातार प्रताड़ित किया जाता था। रंजीत मेहता का प्रेम प्रसंग पलामू के नया नावा बाजार थाना क्षेत्र के तुकबेरा की रहने वाली एक महिला के साथ चल रहा था।

प्रियंका कुमारी के मायके वालों ने हत्या की आशंका जाहिर करते हुए पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी थी। परिजनों ने पुलिस को बताया था कि प्रियंका कुमारी की हत्या कर शव को तुकवेरा के डरौना गांव में दफनाया गया है।

घटना के बाद से पति और उसकी प्रेमिका दोनों फरार हैं : मामले की जानकारी मिलने के बाद नावा बाजार थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले में छानबीन शुरू की। बाद में दंडाधिकारी की मौजूदगी में पुलिस ने प्रियंका कुमारी के दफन हुए शव को बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद से रंजीत मेहता एवं उसकी प्रेमिका दोनों फरार हैं।

शव के साथ रखा गया था कुत्ते का शवः आरोप है कि रंजीत एवं उसकी प्रेमिका ने मिलकर पूरी हत्या की साजिश थी। हत्या के बाद शव को दफनाया गया था, शक नहीं होने के लिए प्रियंका के शव के साथ एक कुत्ते को भी दफनाया गया था। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि प्रेमिका ने 22 दिसंबर को जेसीबी से गड्ढा खुदवाया था। 28 दिसंबर को उसने दोबारा जेसीबी के मालिक से गड्ढा भरने को कहा था। आशंका जताई जा रही है कि 28 दिसंबर को हत्या कर शव दफनाया गया है।

ढाका में हैंडशेक पर सियासत

जयशंकर ने निभाई शिष्टाचार की रस्म, पाक ने बताया बड़ी उपलब्धि

ढाका : बांग्लादेश की राजधानी ढाका में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और पाकिस्तान के एक वरिष्ठ अधिकारी के बीच हुई चंद पलों की मुलाकात को लेकर पाकिस्तान ने एक बार फिर अपनी हताशा जाहिर की है। बुधवार को एक शोक सभा के दौरान एस जयशंकर ने पाकिस्तानी अधिकारी से महज शिष्टाचार के नाते हाथ क्या मिलाया, पाकिस्तान ने इसे कूटनीतिक जीत और बातचीत की बहाली के तौर पर प्रचारित करना शुरू कर दिया। हालांकि, भारत ने तुरंत स्थिति स्पष्ट करते हुए पाकिस्तान को आईना दिखाया और इसे केवल एक औपचारिक मुलाकात करार दिया।

यह घटनाक्रम बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के अंतिम संस्कार के दौरान का है। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष सरदार अयाज सादिक और भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ढाका में मौजूद थे। पाकिस्तानी नेशनल असेंबली सचिवालय के मुताबिक, जब सादिक संसद भवन में शोक पुस्तिका में संदेश लिख रहे थे, तब वहां विभिन्न देशों के राजनयिक मौजूद थे। इसी दौरान जयशंकर ने उनसे शिष्टाचार वश मुलाकात की और हाथ मिलाया।

आदतन पाकिस्तान ने इस सामान्य शिष्टाचार को भी बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने में देर नहीं की। पाकिस्तानी सचिवालय ने एक बयान जारी कर दावा किया कि मई 2025 के बाद भारत की पहल पर पाकिस्तान और भारत के बीच यह पहली महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय मुलाकात है। बयान में आगे कहा गया कि पाकिस्तान हमेशा बातचीत के लिए तैयार है और उसने पहलगाम हमले (काल्पनिक संदर्भ) की संयुक्त जांच और शांति वार्ता के प्रस्तावों पर जोर दिया है। पाकिस्तान इसे दोनों देशों के बीच जमी बर्फ पिघलने के संकेत के रूप में दिखाने की कोशिश कर रहा है।

भारत ने पाकिस्तान के इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। भारतीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह मुलाकात सिर्फ एक शिष्टाचार भेंट थी, जिसमें सभी कूटनीतिक प्रोटोकॉल का पालन किया गया। अधिकारियों ने कहा कि शोक के इस माहौल में भारतीय विदेश मंत्री ने केवल शालीनता का परिचय दिया था। भारत ने निराशा जताई कि पाकिस्तान विदेश में तो शांति का राग अलापता है, लेकिन अपनी हरकतों से बाज नहीं आता। भारत ने साफ कर दिया है कि इस मुलाकात को बातचीत की शुरूआत मानना पाकिस्तान की गलतफहमी है।

नये साल की रात दो पक्षों में हिंसक झड़प, एक की मौत, दो गंभीर

हजारीबाग: जिले में नए साल की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब शहर के इंद्रपुरी चौक के पास बीती रात दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। पिकनिक मनाने गए युवकों के बीच शुरू हुआ आपसी विवाद देखते ही देखते तलवारबाजी और भीषण मारपीट में तब्दील हो गया।

हजारीबाग के केरेडारी में रातोंरात सड़क पर खड़ी कर दी दीवार, ट्रांसपोर्टिंग मार्ग पर यातायात ठप

इस घटना में मंडई निवासी सूरज राणा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नए साल के जश्न के दौरान पहले मंडई और नूरा क्षेत्र में युवकों के बीच शराब के नशे में ग्रुपबाजी को लेकर विवाद शुरू हुआ। विवाद बढ़ते-बढ़ते देर रात इंद्रपुरी चौक तक पहुंच गया, जहां दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। इसी दौरान सूरज राणा पर जानलेवा हमला किया गया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

कर्नाटक सरकार के सर्वे में ईवीएम हुई पास, बीजेपी ने राहुल गांधी पर साधा निशाना, कहा- ये करारा तमाचा..

ईवीएम पर 83% जनता का भरोसा

नई दिल्लीः कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कर्नाटक में उनकी ही सरकार ने फैक्ट-चेक किया, जब सिद्धारमैया सरकार द्वारा किए गए एक राज्यव्यापी सर्वे में पता चला कि ज्यादातर नागरिक मानते हैं कि भारत में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष होते हैं, जबकि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर लोगों का भरोसा बढ़ा है। डेक्कन हेराल्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह सर्वे बेंगलुरु, बेलगावी, कलबुर्गी और मैसूरु के प्रशासनिक डिवीजनों में 102 विधानसभा क्षेत्रों में 5,100 लोगों पर किया गया था, जिसे मुख्य चुनाव अधिकारी वी। अंबुकुमार ने करवाया था।

नागरिकों के केएपी(ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास) के एंडलाइन सर्वे के मूल्यांकन नामक सर्वे के अनुसार, 83.61% लोगों ने कहा कि उन्हें ईवीएम पर भरोसा है। कुल मिलाकर, 69.39% लोगों ने सहमति जताई कि ईवीएम सटीक परिणाम देती हैं, जबकि 14.22% ने पूरी तरह से सहमति जताई।

यह सर्वे बेंगलुरु, बेलगावी, कलबुर्गी और मैसूरु के प्रशासनिक डिवीजनों में 102 विधानसभा क्षेत्रों में 5,100 लोगों पर किया गया था। इसे कर्नाटक सरकार ने मुख्य चुनाव अधिकारी वी। अंबुकुमार के माध्यम से करवाया था।

डिवीजन-वार डेटा में कलबुर्गी में सबसे ज्यादा भरोसा दिखा, जहाँ 83.24% ने सहमति जताई और 11.24% ने पूरी तरह से सहमति जताई कि ईवीएम भरोसेमंद हैं। इसके बाद मैसूरु का नंबर आया, जहाँ 70.67% ने सहमति जताई और 17.92% ने पूरी तरह से सहमति जताई। बेलगावी में, 63.90% ने सहमति जताई और 21.43% ने पूरी तरह से सहमति जताई। बेंगलुरु डिवीजन में सबसे कम 9.28% लोगों ने पूरी तरह से सहमति जताई, हालांकि 63.67% ने फिर भी सहमति जताई। बेंगलुरु में तटस्थ राय सबसे ज्यादा 15.67% थी, जो अन्य डिवीजनों की तुलना में काफी ज्यादा है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनावों में कथित ईवीएम में हेरफेर और 'वोट चोरी' को लेकर बीजेपी और भारतीय चुनाव आयोग पर बार-बार हमला किया है। इन नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए, बीजेपी कर्नाटक के विपक्ष के नेता आर। अशोक ने पर पोस्ट किया, जिसमें कहा गयाः सालों से, राहुल गांधी देश भर में घूम-घूमकर एक ही कहानी सुना रहे हैंः कि भारत का लोकतंत्र 'खतरे में' है, कि ईवीएम 'भरोसेमंद नहीं' हैं, कि हमारी संस्थाओं पर भरोसा नहीं किया जा सकता। लेकिन कर्नाटक ने अभी एक बिल्कुल अलग कहानी बताई है। बीजेपी ने कहा कि राज्यव्यापी सर्वे से पता चला है कि लोग चुनावों पर भरोसा करते हैं, लोग ईवीएम पर भरोसा करते हैं, और लोग भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा करते हैं , और इन नतीजों को कांग्रेस के मुंह पर तमाचा बताया।

धनबाद में अंधाधुंध गोलीबारी, पुलिस ने छह खाली कारतूस किया बरामद, इलाके में दहशत

धनबादः जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है जहां अज्ञात हमलावरों ने अंधाधुंध गोलीबारी की। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मामला जिला मुख्यालय से लगभग 36 किलोमीटर दूर स्थित निरसा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले खुडिया कलिमात गांव का है। बताया जा रहा है कि यहां अज्ञात हमलावरों ने अंधाधुंध गोलीबारी की। निरसा पुलिस थाने के प्रभारी अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि उन्होंने छह खाली कारतूस बरामद किए। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि घटना के बाद से दहशत फैल गई है। उन्होंने कहा, गोलीबारी का कारण और इसमें शामिल लोगों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

सीबीएसई 10वीं और 12वीं की डेटशीट में बड़ा बदलाव, 3 मार्च की परीक्षाएं स्थगित

नई दिल्ली : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने साल 2026 की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर एक अहम नोटिस जारी किया है। बोर्ड ने कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं की डेटशीट में संशोधन कर दिया है। प्रशासनिक कारणों का हवाला देते हुए बोर्ड ने 3 मार्च 2026 को होने वाली दोनों कक्षाओं की परीक्षाओं को स्थगित करने का फैसला लिया है। सीबीएसई द्वारा जारी नई जानकारी के अनुसार, अब कक्षा 10वीं की स्थगित परीक्षा 11 मार्च 2026 को आयोजित की जाएगी, जबकि कक्षा 12वीं की स्थगित परीक्षा अब 10 अप्रैल 2026 को होगी। छात्र बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट ॒रीं.ड्ढ५.ल्ल पर जाकर नई डेटशीट चेक और डाउनलोड कर सकते हैं।

किन विषयों पर पड़ा असरः बोर्ड द्वारा जारी संशोधित कार्यक्रम के मुताबिक, कक्षा 10वीं के क्षेत्रीय और विदेशी भाषाओं (जैसे- तिब्बती, जर्मन, फ्रेंच, कश्मीरी, जापानी आदि) के पेपर, जो पहले 3 मार्च को होने थे, अब 11 मार्च को होंगे। इसी दिन बुक कीपिंग एंड अकाउंटेंसी जैसे विषयों की भी परीक्षा ली जाएगी। वहीं, कक्षा 12वीं के छात्रों के लिए लीगल स्टडीज का पेपर, जो 3 मार्च को होना था, अब सबसे अंत में 10 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। गौरतलब है कि पहली बार 10वीं कक्षा की परीक्षाएं दो चरणों में आयोजित की जा रही हैं, जो 17 फरवरी से शुरू होकर 15 जुलाई 2026 तक चलेंगी।

10वीं कक्षा का मुख्य शेड्यूलः कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से गणित (स्टैंडर्ड और बेसिक) के पेपर के साथ शुरू होंगी। इसके बाद 21 फरवरी को अंग्रेजी, 25 फरवरी को विज्ञान (साइंस) और 27 फरवरी को कंप्यूटर एप्लीकेशन व आईटी का पेपर होगा। मार्च महीने की शुरूआत में 2 मार्च को हिंदी और 7 मार्च को सामाजिक विज्ञान (सोशल साइंस) की परीक्षा होगी। संशोधित तारीख यानी 11 मार्च को विभिन्न भाषाओं और अन्य विषयों की परीक्षा के साथ यह चरण समाप्त होगा।

12वीं कक्षा के प्रमुख पेपर और टाइमिंगः कक्षा 12वीं की परीक्षाएं भी 17 फरवरी से शुरू होकर अब 10 अप्रैल तक चलेंगी। परीक्षाएं दो पालियों में सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक और कुछ विषयों के लिए दोपहर 12:30 बजे तक होंगी। विज्ञान संकाय के छात्रों के लिए 20 फरवरी को फिजिक्स, 28 फरवरी को केमिस्ट्री, 9 मार्च को मैथ्स और 27 मार्च को बायोलॉजी का पेपर तय किया गया है। वहीं कॉमर्स और आर्ट्स के लिए 21 फरवरी को बिजनेस स्टडीज, 26 फरवरी को भूगोल, 12 मार्च को अंग्रेजी, 18 मार्च को अर्थशास्त्र और 30 मार्च को इतिहास का पेपर होगा।

इंदौर में डायरिया का कहर!

दूषित पानी बना मौत का कारण, लैब रिपोर्ट ने खोला राज,14 की मौत

संवाददाता

इंदौरः जिले के भागीरथपुरा इलाके में सन्नाटा पसरा हुआ है। कुछ अस्थायी मेडिकल कैंपों में कुछ लोगों को छोड़कर, इसकी गलियां खाली हैं। डायरिया से बीमार होने के बाद शहर भर के 27 अस्पतालों में इस इलाके के 200 से ज्यादा लोगों को भर्ती कराया गया है। सोमवार रात से जब उन्हें उल्टी और तेज बुखार आने लगा, तब से ज्यादातर लोग बीमार लोगों की देखभाल के लिए बाहर हैं। अब तक नौ लोगों की मौत हो चुकी है।

अधिकारियों ने बताया कि एक लैब टेस्ट से पुष्टि हुई है कि मध्य प्रदेश के कमर्शियल हब इंदौर में दूषित पीने के पानी की वजह से उल्टी-दस्त का प्रकोप फैला, जिससे कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 1,400 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए।

यह प्रकोप भागीरथपुरा इलाके में शुरू हुआ, जिससे शहर की पानी की सप्लाई की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं, जबकि इंदौर पिछले आठ सालों से भारत के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में जाना जाता है।

ज्ञात हो कि इंदौर के चीफ मेडिकल एंड हेल्थ ऑफिसर डॉ। माधव प्रसाद हसानी ने पत्रकारों को बताया कि शहर के एक मेडिकल कॉलेज द्वारा तैयार की गई लैब रिपोर्ट में पुष्टि हुई है कि भागीरथपुरा इलाके में एक पाइपलाइन में लीकेज के कारण पीने का पानी दूषित हो गया था, जहां से यह प्रकोप फैला है। उन्होंने टेस्ट रिपोर्ट के विस्तृत नतीजे शेयर नहीं किए।

अधिकारियों ने बताया कि भागीरथपुरा में एक पुलिस चौकी के पास मुख्य पीने के पानी की सप्लाई पाइपलाइन में एक जगह पर लीकेज पाया गया, जहां एक शौचालय बनाया गया था, और दावा किया कि इस लीकेज के कारण इलाके में पानी की सप्लाई दूषित हो गई।

अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय दुबे के अनुसार, अधिकारी भागीरथपुरा में पूरी पीने के पानी की सप्लाई पाइपलाइन की बारीकी से जांच कर रहे थे ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं और भी लीकेज तो नहीं है। उन्होंने कहा कि जांच के बाद, गुरुवार को भागीरथपुरा के घरों में पाइपलाइन के जरिए साफ पानी सप्लाई किया गया, हालांकि निवासियों को एहतियात के तौर पर पानी पीने से पहले उबालने की सलाह दी गई।

दुबे ने यह भी कहा कि पानी के सैंपल लेकर टेस्टिंग के लिए भेजे गए हैं। इस घटना का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भागीरथपुरा में पानी की त्रासदी से मिले सबक के आधार पर भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पूरे राज्य के लिए एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) जारी किया जाएगा।

मोहन यादव के निदेर्शों के बाद दुबे ने स्थिति का जायजा लेने के लिए भागीरथपुरा का दौरा किया। अधिकारियों ने आगे प्रकोप को रोकने के लिए पानी की सप्लाई सिस्टम की निगरानी बढ़ा दी है।

इस बीच, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने मौतों को लेकर मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया। बताया जाता है कि स्थानीय लोग ₹कई दिनों से दूषित पानी की सप्लाई₹ की शिकायत कर रहे थे, लेकिन अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की, केंद्रीय मानवाधिकार निकाय ने कहा।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उल्टी और दस्त के प्रकोप को आपातकाल जैसी स्थिति बताया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। यादव ने मरीजों की हालत जानने के लिए सबसे साफ शहर के कई अस्पतालों का दौरा किया। बाद में उन्होंने एक हाई-लेवल मीटिंग में हालात का जायजा लिया।

स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि गुरुवार को भागीरथपुरा में 1,714 घरों का सर्वे किया गया, जिसमें 8,571 लोगों की जांच की गई। इनमें से 338 लोगों में उल्टी-दस्त के हल्के लक्षण दिखे, जिन्हें उनके घरों पर ही शुरूआती इलाज दिया गया।

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि बीमारी फैलने के बाद से आठ दिनों में 272 मरीजों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जिनमें से 71 को डिस्चार्ज कर दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि फिलहाल 201 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं, जिनमें से 32 इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में हैं।

समाचार सार

नए साल पर आयोजित मेला की आड़ में खूब चला हब्बा-डब्बा

सिल्ली: हर साल नव वर्ष के पहले दिन सिल्ली के उरांग गाढ़ा नदी के समीप लगने वाला बजरंग मेला इस साल भी लगा। मेले में आसपास के कई गांवों से लोग डीजे के साथ नाचते गाते पहुंचे। वही बताया जाता है कमेटी की सहमति से मोटी रकम के सौदे के बाद मेला परिसर में हब्बा-डब्बा का खेल संचालित किया गया। मजे की बात है कि महिला पांता नाच देखने में जितना लोगों की भीड़ थी उसे कहीं थोड़ी कम हब्बा-डब्बा का खेल में भीड़ देखने को मिली । जहां लोगों ने नए साल पर अपना किस्मत आजमाने में हजारों लुटाया। दूसरी और दारू भी बिक्री, नशे में कई युवकों को मेला परिसर में ही आपस में लड़ते हुए देखा गया। अत्यधिक नशे का सेवन के बाद एक युवक मेला परिसर में ही बाइक से कई एक बार गिरा और काफी देर तक पड़ा रहा। मालूम हो कि पिछले साल नव वर्ष में लगने वाले इसी बजरंग मेला में एक युवक की नशे की हालत में पुल के नीचे नदी में गिरने से मौत हो गयी थी। इधर सामाजिक, बुद्धिजीवी और बुजुर्ग लोगों का कहना है की नए साल के दिन हब्बा-डब्बा का खेल कहीं से उचित नही है इस खेल में हारने वाले लोग परिवार के साथ मारपीट करने पर उतारू हो जाते है।

सावधान रहे ,सुरक्षित रहे, जमीन माफिया को न करें नजरअंदाज

मुरी: सिल्ली पंचायत के बिसिरिया पंचायत अन्तर्गत मौजा कुटाम शीट नम्बर-2 की जमीन पर ग्रमीणों ने बोर्ड लगा कर ग्रमीणों से सावधान और सुरक्षित रहने का आवाह्न किया गया। यह जमीन बिक्री हेतु नहीं है। जमीन माफियाओं को नजरअंदाज न करें। ज्ञात हो कि फर्जी बंशावली बना कर जमीन को बेच डाला। इसको लेकर पंचायत सचिवालय में बासारूली पंचायत के मुखिया की उपस्थिति में ग्रामीण गोलबंद होकर बैठक कर बिरोध किया था।

उपायुक्त ने सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ

चतरा: राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर आमजनों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से गुरुवार को समाहरणालय परिसर से उपायुक्त द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इसके साथ ही जिले में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह (01 जनवरी से 31 जनवरी) के कार्यक्रमों का विधिवत शुभारंभ हुआ।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार तथा जिला परिवहन पदाधिकारी महेश्वरी प्रसाद यादव सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।रथ को रवाना करते हुए उपायुक्त ने कहा कि सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ का मुख्य उद्देश्य आमजनों को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सरकार द्वारा लगातार विभिन्न स्तरों पर जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, ताकि लोग यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित हो सके।उपायुक्त ने बताया कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत जिले में 01 जनवरी से 31 जनवरी तक बाइक रैली, प्रभात फेरी, पदयात्रा, नुक्कड़ नाटक, निबंध प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता, सघन वाहन जांच सहित अन्य जागरूकता अभियान आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम की अगली कड़ी में सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ के रवाना होने के उपरांत जिला परिवहन कार्यालय से जिला परिवहन पदाधिकारी महेश्वरी प्रसाद यादव द्वारा बाइक रैली को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। बाइक रैली के माध्यम से विशेष रूप से युवाओं को यह संदेश दिया गया कि दोपहिया वाहन चलाते समय चालक एवं पीछे बैठने वाले दोनों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य है। इस अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग तथा चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग जीवन रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। दुर्घटना की स्थिति में चालक के साथ-साथ पीछे बैठे व्यक्ति को भी गंभीर चोट लगने की आशंका रहती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि नशे की हालत में वाहन न चलाएं तथा निर्धारित गति सीमा का पालन करते हुए ही वाहन चलाएं। प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे इन जागरूकता अभियानों के माध्यम से जिले में सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने एवं दुर्घटनाओं में कमी लाने का प्रयास किया जा रहा है।

खरसावां गोलीकांड के शहीदों को मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि, न्यायिक आयोग के गठन का एलान

संवाददाता

रांची : खरसावां गोलीकांड में शहीद हुए वीरों को श्रद्धांजलि देने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सरायकेला-खरसावां जिले के खरसावां शहीद स्थल पहुंचे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ मंत्री दीपक बिरुवा, सिंहभूम की सांसद जोबा मांझी, चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव, खरसावां के विधायक दशरथ गागराई और ईचागढ़ की विधायक सविता महतो भी मौजूद रहीं।

मुख्यमंत्री ने शहीदों को नमन करते हुए घोषणा की कि खरसावां गोलीकांड में शहीद हुए लोगों को चिह्नित कर उन्हें सम्मान देने के लिए न्यायिक जांच आयोग का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गोवा गोलीकांड की तर्ज पर खरसावां गोलीकांड के शहीदों को सम्मान दिया जाएगा। इसके लिए एक विस्तृत मसौदा तैयार किया जा रहा है, जिसमें यह तय किया जाएगा कि प्रशासनिक अधिकारियों की क्या भूमिका होगी और शहीदों की पहचान किस प्रक्रिया से की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी तरह संतुष्ट होने के बाद ही इस मसौदे को अंतिम रूप दिया जाएगा। आयोग में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को शामिल किया जाएगा और अगले वर्ष के शहीद दिवस से पहले शहीदों की पहचान कर उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

'किसान और मजदूरों के लिए यह शहीद दिवस है': मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि एक जनवरी पूरी दुनिया के लिए नया साल है, लेकिन झारखंड के आदिवासी, मूलवासी, किसान और मजदूरों के लिए यह शहीद दिवस है। जब देश नया साल मना रहा होता है, तब झारखंड के लोग अपने शहीदों को याद करते हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड का इतिहास गौरवपूर्ण रहा है। चाहे कोल्हान क्षेत्र हो, संथाल परगना हो, उत्तरी-दक्षिणी छोटानागपुर या पलामू प्रमंडल यह भूमि शहीदों की कुर्बानियों से भरी हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल, जंगल, जमीन और खनिज संपदा की रक्षा के लिए यहां के वीर सपूतों ने अंग्रेजों और दमनकारी नीतियों के खिलाफ संघर्ष किया और अपनी जान की आहुति दी। खरसावां शहीद दिवस इस संघर्ष की सबसे बड़ी मिसाल है। उन्होंने कहा कि हम ऐसे वीरों के वंशज हैं, जिन्होंने कभी अन्याय के आगे घुटने नहीं टेके। इसी भावना को जीवित रखने के लिए शहीदों को याद किया जाता है और उनके समाधि स्थलों पर शीश नवाया जाता है।

मुख्यमंत्री ने किसान-मजदूरों के अधिकारों का जिक्र करते हुए कहा कि आज उनके अधिकारों को छीना जा रहा है, लेकिन कोई पूंजीपति उनके आंसू नहीं पोंछेगा। उन्होंने कहा कि जब-जब उन्हें अवसर मिला, उन्होंने शहीदों को नमन कर संघर्ष किया, जिसका सकारात्मक परिणाम भी मिला है। इस दौरान उन्होंने संताल परगना के वीर शहीद सिद्धू-कान्हू को भी याद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मइयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं को 2500 रुपये प्रतिमाह दे रही है, जबकि पड़ोसी राज्यों में केवल घोषणाएं कर सरकारें बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड को देश के अग्रणी राज्यों की कतार में खड़ा करना सरकार का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को याद करते हुए कहा कि उनके संघर्ष की बदौलत ही झारखंड को अलग राज्य का दर्जा मिला।

इससे पहले खरसावां के विधायक दशरथ गागराई ने कहा कि खरसावां गोलीकांड आजाद भारत के इतिहास की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक है। यह गोलीकांड देश की आजादी के साढ़े चार महीने बाद तब हुआ, जब पूरा देश नए साल का जश्न मना रहा था। उन्होंने बताया कि ओडिशा सरकार द्वारा आदिवासियों पर गोली चलाए जाने के बाद से आदिवासी समाज एक जनवरी को नया साल नहीं, बल्कि शोक दिवस के रूप में मनाता है।

न्यायिक आयोग गठित करने की मांग उठाई थी: उन्होंने कहा कि झारखंड के अलावा ओडिशा, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ से भी आदिवासी समाज के लोग हर वर्ष खरसावां आकर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं। दशरथ गागराई ने बताया कि वर्ष 2014 में विधायक बनने के बाद उन्होंने विधानसभा में न्यायिक आयोग गठित करने की मांग उठाई थी। इसके बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास ने जांच आयोग का गठन किया, जिसमें दो शहीदों खरसावां के महादेव बूटा और कुचाई के बाईडीह निवासी सिंगराय बोदरा को चिह्नित कर उनके परिजनों को एक-एक लाख रुपये की सहायता दी गई थी। हालांकि, वर्ष 2017 में कुछ घटनाओं के बाद शहीदों के चिन्हीकरण की प्रक्रिया रुक गई थी।

इस निर्णय के विरोध में आदिवासियों ने आंदोलन शुरू किया था: विधायक ने मुख्यमंत्री से शहीदों के चिन्हीकरण की प्रक्रिया पुनः शुरू करने की मांग की और कहा कि झारखंड के बाहर के शहीदों को भी सम्मान दिया जाना चाहिए। उन्होंने शहीद स्थल से जुड़े कुछ विवादों का भी उल्लेख किया और शहीदों को श्रद्धांजलि देने आने वाले लोगों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। कार्यक्रम में मंत्री दीपक बिरुवा और सांसद जोबा मांझी ने भी सभा को संबोधित किया।

गौरतलब है कि आजादी के बाद खरसावां को ओडिशा में शामिल करने के निर्णय के विरोध में आदिवासियों ने आंदोलन शुरू किया था। इसी आंदोलन के दौरान 1 जनवरी 1948 को खरसावां हाट बाजार में जुटी भीड़ पर तत्कालीन पुलिस ने गोली चला दी थी, जिसमें बड़ी संख्या में लोग मारे गए थे। इस घटना को इतिहास में खरसावां गोलीकांड के नाम से जाना जाता है, जिसे दूसरा जलियांवाला बाग भी कहा जाता है। तब से हर वर्ष एक जनवरी को यहां शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।

उपायुक्त ने ईटखोरी प्रखंड का किया औचक निरीक्षण

राजकीय ईटखोरी महोत्सव स्थल का लिया जायजा

संवाददाता

चतरा: उपायुक्त कीर्तिश्री ने नववर्ष 1 जनवरी को ईटखोरी प्रखंड क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने पुराने प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय भवन का निरीक्षण किया, जिसे झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रोमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) अंतर्गत प्रसंस्करण इकाई के रूप में उपयोग किए जाने की योजना के तहत देखा गया।इसके पश्चात उपायुक्त द्वारा समीप स्थित निमार्णाधीन कौशल विकास केंद्र भवन का भी निरीक्षण किया गया तथा कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसी क्रम में आगामी फरवरी माह में 19, 20 एवं 21 फरवरी तीन दिवसीय आयोजित होने वाले राजकीय ईटखोरी महोत्सव को ध्यान में रखते हुए उपायुक्त ने महोत्सव स्थल का भ्रमण किया एवं आयोजन से संबंधित आधारभूत सुविधाओं, व्यवस्थाओं एवं तैयारियों की स्थिति का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने उपस्थित पदाधिकारियों को महोत्सव के सफल, सुव्यवस्थित एवं श्रद्धालु-अनुकूल आयोजन को सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक तैयारियाँ समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। नव वर्ष 2026 के अवसर पर उपायुक्त ने माँ भद्रकाली मंदिर में विधिवत दर्शन-पूजन कर जिलेवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की, तत्पश्चात चतरा के लिए प्रस्थान किया।इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी सदर चतरा, प्रखंड विकास पदाधिकारी ईटखोरी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, जेएसएलपीएस चतरा, गोपनीय प्रभारी चतरा, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक जेएसएलपीएस ईटखोरी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

दुकान के सामने कार खड़ी करने को लेकर हुआ विवाद

चतरा: जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के केदली चट्टी बाजार में एक दुकानदार और कुछ ग्राहकों के साथ हुई मारपीट का वीडियो गुरुवार दोपहर से तेजी से वायरल हो रहा है। जहां कुछ युवक एक दुकानदार को पीटते नजर आ रहे हैं, इस दौरान एक ग्राहक दोनों को छुड़ाने का प्रयास कर रहा है, हालांकि छुड़ाने के बाद एक युवक दुकान के अंदर प्रवेश कर ग्राहक से मारपीट करते नजर आ रहा है। इस मामले की जांच करने के बाद पता चला कि पीड़ित ने हंटरगंज थाने में आरोपियों के खिलाफ आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित के अनुसार बुधवार की शाम केदली बाजार में जाम लग गई थी। उसी समय दुकानदार सागर कुमार अपने दुकान के सामने खड़ी कार के चालक से कहा कि आप अपनी कार को थोड़ा पीछे कर लीजिए जिससे जाम खत्म हो जाएगा। इसके बाद कार में बैठे आरोपियों ने दुकानदार के साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। हालांकि इस दौरान आसपास के लोग जुटे और मामला को शांत करवाया। तत्पश्चात पीड़ित थाना को सूचना देने जा रहा था, वहीं कुछ और आरोपी ना पुलिस का खौफ, ना ही कानून का डर रखते हुए,दुकान पर सीधे पहुंचे और दुकानदार से मारपीट करनी शुरू कर दी। जिसके बाद बाजार में अफरा-तफरी मच गई। मारपीट की वीडियो सीसीटीवी में कैद हो गया। जिससे दुकानदार दहशत में हैं और सुरक्षा को लेकर चिंता कर रहे हैं।

ग्राहकों और राहगीरों ने भी युवकों पर लगाया मारपीट का आरोप : ग्राहकों ने बताया कि दुकानदार गाड़ी पीछे कर लेने की बात कही इसी दौरान गाड़ी पर बैठे युवक काफी आक्रोशित हो गए और दुकानदार के साथ मारपीट करने लगे।इसी दौरान दुकान में सामान ले रहे ग्राहक जयप्रकाश कुमार, बीना देवी, बाँकी निवासी सुनील यादव, कोबना निवासी आशुतोष कुमार, केदली चट्टी निवासी संजीत कुमार, समेत आधा दर्जन लोग दुकानदार को बचाने की कोशिश की तो आक्रोशित युवकों ने इन लोगों को भी मारपीट किया जिसमें सभी को मामूली चोट पहुंची । सभी का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया ।वही दुकानदार सागर कुमार ने हंटरगंज थाना में मारपीट करने का आरोप रिशु प्रजापति,सुमित रावत, चंदन कुमार, निखिल कुमार, इशांत कुमार, अमन कुमार, विवेक कुमार के अलावा आधा दर्जन अज्ञात युवकों के खिलाफ आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

हंटरगंज का कौलेश्वरी वन आरोग्य पार्क बना सैलानियों की पहली पसंद

नए साल पर उमड़ी सैलानियों की भीड़, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

चतरा: जिले के हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र के विश्व विख्यात पर्यटन स्थल मां कौलेश्वरी के तलहटी पर स्थित हटवरिया गांव में आरोग्य वन पार्क नए साल में सैलानियों की पहली पसंद बना रहा। कड़ाके की ठंड के बावजूद 2026 के पहले दिन को यादगार के लिए सैलानी बड़ी संख्या में कौलेश्वरी वन आरोग्य पार्क में आए। पार्क में जिले के साथ-साथ सीमांचल राज्य बिहार के पर्यटको ने भी खूब एंजॉय किया। पार्क में कहीं युवा जोड़ा सेल्फी लेता नजर आया तो कहीं घास पे बच्चे खेलते दिखाई दिए। वहीं बच्चे झूला झूलते हुए तस्वीर खींचवाने में मगन दिखें।वन विभाग द्वारा संचालित इन पार्कों में भीड़ नियंत्रण बनाए रखने के लिए, वन विभाग की टीम अलर्ट दिखी। इस वर्ष पहली शुरूआत में ही वन विभाग के द्वारा बनाया गया वुड हाउस आकर्षण का केंद्र बना रहा।

हर्षोल्लास और उमंग के साथ हुई नए साल की शुरूआत

पिकनिक स्पॉटों पर पर्यटकों की उमड़ी भीड़, मंदिरों में की गई पूजा -अर्चना

◀नवनिर्मित ईको पार्क में पर्यटकों की सबसे अधिक भीड़ ◀ लक्ष्मणपुर डैम में बोटिंग की सुविधा बंद रहने के कारण निराश दिखे पर्यटक

संवाददाता

चतरा: लोगों ने नए साल का स्वागत पूजा अर्चना के साथ किया। मठ-मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। शहर के काली मंदिर, लकलकवानाथ मंदिर और कठौतिया मंदिर,हेरू मंदिर, बांग्लामुखी मंदिर, गंदौरी मंदिर में पूजा के लिए दोपहर 12 बजे तक लोगों की लाईन लगी रही। लोगों ने ईश्वर की चरणों में दंडवत कर नए वर्ष सुखमय व्यतित होने की मन्नते मांगी। इसके पहले लोगों ने 31 दिसंबर की रात 12 बजे के बाद एक दूसरे को फोन व मैसेज कर नए वर्ष की बधाई देना शुरू कर दिया था। 1 जनवरी को पूरा दिन लोग अपने यार, दोस्त, परीचित व शुभचिंतकों को नव वर्ष की बधाइयां देते रहे।

पर्यटकों से गुलजार रहा पिकनिक स्पॉट: नव वर्ष पर पिकनिक मनाने के लिए काफी संख्या में लोग पिकनिक स्पॉट पर पहुंचे थे। पर्यटकों से पिकनिक स्पॉट गुलजार रहा। जिले के कान्हाचट्टी स्थित तमासीन जलप्रपात, चतरा के खईवा बनारू, रशिकवा, हेरू डैम, लक्ष्मणपुर डैम, हदहदवा व गोवा पिकनिक स्पॉट पर पिकनिक के लिए लोगों की हुजूम उमड़ पड़ी। लोग अपने परिवार व मित्रों के साथ दो पहिया व चार पहिया वाहनों से पिकनिक स्पॉट पर पहुंचे और तरह-तरह का लजीज व्यंजनों का लुत्फ उठाया। युवाओं की टोली डीजे के साथ पिकनिक स्पॉट पर पहुंचा था। नाच गाने व डीजे की धुन पर युवा थिरकते रहे। पूरे दिन मौज-मस्ती होती रही।

सुनसान रहा बाजार : एक ओर जहां नव वर्ष पर पिकनिक स्पॉट पर्यटकों से गुलजार रहा। वहीं दुसरी ओर बाजार में सन्नाटा पसरा रहा। सड़के सुनसान रही। बाजार में प्रायः दुकानों का सटर गिरा रहा। लोग या तो पिकनिक मनाने पिकनिक स्पॉटों पर चले गए या अपने घरों में लजीज व्यंजनों का लुत्फ उठाते रहे। सरकारी कार्यालयों में भी नव वर्ष की खुमारी देखी गई। कार्यालय तो खुले लेकिन यहां उपस्थित नगण्य ही रही।

नवनिर्मित ईको पार्क में उमड़ी पर्यटकों की सबसे अधिक भीड़: पहली जनवरी पर वन विभाग द्वारा शहर में स्थापित नवनिर्मित ईको पार्क में पर्यटकों की हजूम उमड़ी। इस पार्क में अहले सुबह से ही लोग घूमने फिरने के लिए पहुंचने लगे और देर शाम तक लोगों की भीड़ लगी रही। लोग अपने परिवार और बच्चों के साथ पार्क में पहुंचे और नव वर्ष का उत्सव मनाया। पार्क में बच्चों ने जमकर धमाल मचाया। पार्क में बच्चों के लिए कई तरह के झूले लगाए गए हैं। इसके अलावा फुल पत्तियों के बीच में लोगों ने घूम फिर कर नया साल का उत्सव मनाया।

शहीद विनय भारती और हेरु डैम पर कम रही भीड़: वन विभाग द्वारा नवनिर्मित इको पार्क खुलने से शहर का पुराना शहीद विनय भारती पार्क और हेरु डैम में पर्यटकों की संख्या नगण्य रही। एक समय था कि इन दोनों जगहों पर नव वर्ष पर मेला लगा रहता था।

लक्ष्मणपुर डैम में वोटिंग बंद रहने के कारण पर्यटकों में निराशा: शहर से नजदीक चतरा- इटखोरी पथ पर स्थित लक्ष्मणपुर डैम पर भी पिकनिक मनाने के लिए काफी संख्या में पर्यटक पहुंचे थे। पहली जनवरी पर भी लक्ष्मणपुर डैम में बोटिंग की सुविधा बंद रही। इसके कारण पर्यटक काफी निराश दिखाई पड़े। डैम पर पिकनिक मनाने के लिए पहुंचने वाले लोग बोटिंग का लुफ्त उठाते थे। लेकिन प्रशासनिक लापरवाही के कारण इस बार बोटिंग बंद रहा।

झारखंड में टूटा ठंड का रिकॉर्ड रांची का पारा शिमला से भी कम

अगले 3 दिन तक घने कोहरा और शीतलहर का अलर्ट

संवाददाता

रांचीः झारखंड में नए साल के पहले ही दिन राज्य ने भीषण ठंड का नया रिकॉर्ड कायम कर दिया। राजधानी रांची का न्यूनतम तापमान 2.3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, जो देश के प्रसिद्ध हिल स्टेशन शिमला से भी कम रहा। शिमला में जहां न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री दर्ज किया गया, वहीं रांची शीतलहर की चपेट में नजर आई।

9 जिलों में कोहरे का अलर्ट, 50 मीटर तक घटी दृश्यता

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार, पलामू, हजारीबाग, कोडरमा, चतरा और सिंहभूम जिलों में पाला पड़ने की आशंका है। मौसम वैज्ञानिकों ने अगले तीन दिनों तक घने कोहरे और शीतलहर की चेतावनी जारी की है। हालांकि दिन में हल्की धूप निकल सकती है, लेकिन तापमान में खास बढ़ोतरी की संभावना नहीं है। अन्य शहरों में भी ठंड का असर साफ नजर आया।

गुमला में न्यूनतम तापमान 3.9 डिग्री, कांके में 3.0, मेदिनीनगर में 5.1, बोकारो में 6.1, चाईबासा में 8.8 और जमशेदपुर में 9.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बीते गुरुवार कोहरे के कारण हवाई यातायात भी प्रभावित हुआ। दिल्ली-रांची इंडिगो फ्लाइट रद्द करनी पड़ी, जबकि रांची-बेंगलुरु फ्लाइट डेढ़ घंटे देरी से रवाना हुई। दिल्ली जाने वाली दो अन्य उड़ानें भी लेट रहीं, जिससे यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी। ठंड के साथ प्रदूषण ने हालात और गंभीर कर दिए हैं। धनबाद में एक्यूआई 603 तक पहुंच गया, जो अत्यंत खराब श्रेणी में है। जमशेदपुर में 499, बोकारो में 400, रांची में 353 और पलामू में 300 एक्यूआई दर्ज किया गया।

रांची में अखिल भारतीय न्यायाधीश बैडमिंटन टूर्नामेंट कल से

9 उच्च न्यायालयों के 30 से ज्यादा जज लेंगे भाग

संवाददाता

रांचीः झारखंड उच्च न्यायालय के तत्वावधान में दूसरा ऑल इंडिया न्यायाधीश बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन 03 से 04 जनवरी तक रांची में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता का आयोजन रांची के होटवार स्थित खेल गांव परिसर के ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इंडोर स्टेडियम में किया जाएगा।

30 से ज्यादा न्यायाधीश प्रतियोगिता में लेंगे भाग

इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न 09 उच्च न्यायालयों के 30 से ज्यादा न्यायाधीश भाग लेंगे। टूर्नामेंट का उद्देश्य न्यायपालिका से जुड़े पदाधिकारियों के बीच खेल भावना, आपसी सौहार्द, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता तथा सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देना

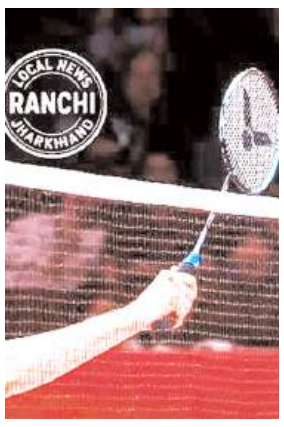

है। उच्च न्यायालय द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता के सफल एवं सुचारु संचालन को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। खेल गांव परिसर में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बैडमिंटन कोर्ट, खिलाड़ियों के विश्राम, चिकित्सा सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

चार श्रेणियों में मुकाबले आयोजित किए जाएंगे

प्रतियोगिता के दौरान चार श्रेणियों में मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। मेन सिंगल, मेन डबल्स, वूमेन सिंगल्स और मिक्स्ड डबल्स में देशभर से आए न्यायाधीश अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे। टूर्नामेंट के समापन पर विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा सभी प्रतिभागियों एवं आगंतुकों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। उल्लेखनीय है कि पहला ऑल इंडिया न्यायाधीश बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन 05-06 जनवरी 2025 को ओडिशा में आयोजित किया गया था।

तेज रफ्तार कार ने युवक को मारी टक्कर,मौत

पेट्रोल लेने गया था युवक

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची में जन्मदिन की तैयारी कर रहा एक युवक लापरवाह ड्राइवर के रफ्तार का शिकार हो गया। पेट्रोल पंप पर ही लापरवाह कार ड्राइवर ने विवेक नाम के युवक को कुचल दिया। इलाज के दौरान विवेक की मौत हो गई।

31 दिसंबर की रात की घटनाः नए साल की पूर्व संध्या पर हुए एक दुखद हादसे ने बिरसा चौक में रहने वाले एक परिवार की इकलौती चिराग बुझा दिया। रांची के बिरसा चौक, लंका कॉलोनी में रहने वाले ऑटो-रिक्शा ड्राइवर फूलचंद तिर्की के इकलौते बेटे विवेक कुमार तिर्की की 31 दिसंबर की रात सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, विवेक 31 दिसंबर की रात अपने स्कूटी में पेट्रोल भरवाने के लिए बिरसा चौक स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप पर गया था। उसी समय, एक तेज रफ्तार कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि कार चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसे के तुरंत बाद पंप के कर्मियों और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और विवेक को अस्पताल ले गए, लेकिन 1 जनवरी की रात उसकी मौत हो गई। विवेक एक गरीब परिवार से ताल्लुक रखता था और अपने पिता का इकलौता सहारा था।

1 जनवरी को था जन्मदिनः मृतक विवेक के पिता फूलचंद ने बताया कि दुखद यह है कि 1 जनवरी को उनके बेटे का जन्मदिन भी था। वह अपने जन्मदिन के लिए केक खरीदने घर से निकला था, लेकिन वापस कफन में लौटा। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। 2 जनवरी को परिजन और मोहल्ले वाले पुलिस स्टेशन पहुंचे और आरोपी कार ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाई।

सीसीटीवी फुटेज में कैद घटनाः पेट्रोल पंप पर हुई पूरी घटना पंप के सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। जगन्नाथपुर थाना प्रभारी दिग्विजय सिंह ने बताया कि हादसे के बाद कार ड्राइवर थोड़ी दूर पर अपनी कार छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने कार जब्त कर ली है। शुक्रवार को परिवार की ओर से थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस फरार कार चालक की तलाश में जुट गई है।

गैंगस्टर प्रिंस खान का शूटर पलामू में गिरफ्तार

पलामूः प्रिंस खान के शूटर शाहरुख अली को पलामू पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शाहरुख अली के पास से एक देशी कट्टा और दो जिंदा गोली बरामद किया गया है। गिरफ्तार शूटर पलामू के मेदिनीनगर में सोना कारोबारी पर फायरिंग करने वाला था। फायरिंग की साजिश कुवैत में रची गई थी, जिसमें शाहरुख अली का भांजा मोहम्मद आतिफ भी शामिल है। इसकी पुष्टि पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने की है।

दरअसल, पलामू पुलिस वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी क्रम में एक बाइक सवार को रोका गया था। पुलिस को देखकर बाइक सवार भागने की फिराक में था, लेकिन पुलिस ने दौड़ा कर बाइक सवार को पकड़ लिया। बाइक सवार के पास से एक देशी कट्टा और गोली बरामद हुआ था। बाइक सवार युवक की पहचान शाहरुख अली के रूप में हुई थी। शाहरुख अली मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के पहाड़ी मोहल्ला का रहने वाला है। शाहरुख ने पुलिस को बताया है कि वह प्रिंस खान के कहने पर सोना कारोबारी रंजीत सोनी की दुकान पर फायरिंग की घटना को अंजाम देने वाला था।

दरअसल, पलामू में सोना कारोबारी रंजीत सोनी से गैंगस्टर प्रिंस खान ने एक करोड़ रुपये की रंगदारी की मांग की थी। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र से 25 दिसंबर को प्रिंस खान के दो शूटर मोहम्मद नाजीम और मुर्तजा अंसारी को गिरफ्तार किया था।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि के प्रभारी कुलपति बने डॉ. डीके सिंह

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. डीके सिंह को अब श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय का प्रभारी कुलपति नियुक्त किया गया है। डॉ. सिंह ने विश्वविद्यालय पहुँचकर अपना पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी और शिक्षक मौजूद रहे, और एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा और प्रशासन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। जानकारी के अनुसार, डॉ. डीके सिंह रांची विश्वविद्यालय के भी प्रभारी कुलपति हैं।

एक कुलपति को तीन विवि का प्रभारी वीसी बनाना छात्र -छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ः आजसू

मेट्रो रेज

रांचीः अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए ओम वर्मा ने कहा कि रांची विश्विद्यालय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्विद्यालय में स्थाई कुलपति, प्रतिकुलपति, कुलसचिव की नियुक्ति नहीं हुई है जिससे कि र विश्वविद्यालय का काम पूरी तरह ठप पड़ा हुआ है न तो समय पर क्लास हो रही है न ही समय पर परीक्षा न ही रिजल्ट प्रकाशित हो पा रही है। जिससे विवि में पढ़ने वाले छात्र- छात्राओं को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । किसी भी तरह की तरह का फाइनेंशियल प्रक्रिया विवि द्वारा डेवलेपमेंट का नहीं लिया जा रहा है सीनेट और सिंडिकेट की बैठके समय पर नहीं हो पा रही है जिससे से विवि के विकास कार्य पर रोक लगा हुआ है साथ ही विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, शिक्षकों की भी वेतन सही समय पर नहीं मिल पा रही है और भी अनेकों समस्या है जिसका निराकरण स्थाई कुलपति की नियुक्ति से ही संभव है आजसू के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा ने कुलाधिपति महोदय छात्र हित में आग्रह करती कि राज्य के सभी विश्विद्यालयों में स्थाई कुलपति , प्रतिकुलपति, कुलसचिव की नियुक्ति की जाए जिससे कि ये सभी समस्याओं से छात्र छात्राओं को निजात मिल सके । पूर्व में भी आजसू ने राज्यपाल महोदय को ज्ञापन सौंप कर स्थाई कुलपति , प्रतिकुलपति,की नियुक्ति अविलंब करने की मांग की थी कल भी आजसू के द्वारा राज्यपाल महोदय को ज्ञापन सौंपा जाएगा और फिर भी छात्र हित स्थाई कुलपति की नियुक्ति नहीं होती है तो चरणबद्ध आंदोलन के तहत विवि में तालाबंदी की जाएगी।

नये साल पर राज्य में बिकी 65 करोड़ की शराब

रांची : नये साल के पहले दिन राज्य में शराब की रिकॉर्ड बिक्री हुई। 30 दिसंबर से एक जनवरी तक राज्य में लगभग 65 करोड़ रुपये के शराब की बिक्री हुई है। झारखंड शराब व्यापारी संघ के प्रदेश महासचिव सुबोध कुमार जायसवाल के अनुसार तीन दिनों में 65 से 70 करोड़ रुपये के शराब की बिक्री का अनुमान है। उन्होंने कहा कि उठाव के अनुरूप शराब की बिक्री नहीं हो पायी। सबसे अधिक शराब की बिक्री 31 दिसंबर को हुई। राज्य भर में 31 दिसंबर को लगभग 30 करोड़ रुपये की शराब की बिक्री का अनुमान है, जो वर्ष 31 दिसंबर 2024 की तुलना में लगभग ढाई करोड़ अधिक है। 31 दिसंबर को 27।52 करोड़ रुपये की शराब की बिक्री हुई थी, जबकि 30 दिसंबर को लगभग 16 करोड़ रुपये की शराब की बिक्री हुई। दो दिन में 46 करोड़ से अधिक की शराब बिक्री हुई।

वहीं एक जनवरी को भी 18 से 19 करोड़ रुपये के शराब की बिक्री का अनुमान है। हालांकि इसका आधिकारिक आंकड़ा आना बाकी है। ऐसे में देखा जाये, तो तीन दिनों में लगभग 65 करोड़ रुपये की शराब की बिक्री हुई। पिछले वर्ष नये साल के मौके पर हुई बिक्री की तुलना में इस वर्ष लगभग पांच करोड़ रुपये अधिक की बिक्री हुई। पिछले वर्ष तीन दिनों में लगभग 60 करोड़ रुपये के शराब की बिक्री हुई थी।

रांची में 30 दिसंबर से एक जनवरी तक लगभग 10 करोड़ रुपये की शराब की बिक्री हुई। नये साल के मौके पर शराब बिक्री को लेकर दो दर्जन से अधिक अस्थायी लाइसेंस जारी किये गये थे। जबकि लगभग 30 बार एंड रेस्तरां ने एक्सटेंशन काउंटर की अनुमति ली थी। इसके तहत निर्धारित समय की तुलना में दो घंटे अधिक शराब बिक्री की अनुमति दी गयी थी।

सभी हिंदू अपने बच्चों को मंगलवार को भेजे मंदिर: निपु सिंह

रांचीः राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सह रांची लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी निपु सिंह ने गुरुवार को नए साल के दिन कई मंदिरों में जाकर माथा टेका और भगवान से आशीर्वाद लिया । साथ ही उन्होंने कहा कि हर हिंदू अपने बच्चों को मंगलवार के दिन शाम में मंदिर अवश्य भेजें । श्री सिंह ने कहा कि हिंदू के बच्चे मंदिर जाना कम पसंद करते हैं। इसे देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि धीरे-धीरे हिंदू के बच्चे से मंदिर दूर होते जा रहे हैं। जैसे हर बच्चा स्कूल जाने के लिए प्रतिदिन पांच घंटा समय निकालते हैं ठीक उसी तरह मंगलवार को शाम में अपने घर के नजदीक के मंदिर जाने के लिए पांच मिनट समय निकालें और एक दूसरे को भी मंदिर जाने के लिए प्रेरित करें ।

नववर्ष पर सैलानियों से गुलजार हुआ झारखंड का सबसे ऊंचा जलप्रपात लोध फॉल

फॉल की खूबसूरती देखकर लोगों ने की नए साल की शुरूआत

संवाददाता

रांचीः नववर्ष के पहले दिन झारखंड के लातेहार जिले में स्थित राज्य का सबसे ऊंचा जलप्रपात लोध फॉल पर्यटकों का प्रमुख आकर्षण बना रहा। राजधानी रांची से लगभग 200 किलोमीटर और लातेहार जिला मुख्यालय से करीब 110 किलोमीटर दूर महुआडांड़ प्रखंड में स्थित इस प्राकृतिक धरोहर को देखने के लिए हजारों की संख्या में पर्यटक पहुंचे।

लोध फॉल झारखंड का सबसे ऊंचा जलप्रपात है

नए साल की शुरूआत प्रकृति के बीच करने की चाह में आए सैलानियों से पूरा क्षेत्र गुलजार नजर आया। लोध फॉल झारखंड का सबसे ऊंचा जलप्रपात है, जहां बूढ़ा नदी का पानी लगभग 143 मीटर की ऊंचाई से सीधे धरती पर गिरता है। पहाड़ियों से घिरा यह जलप्रपात न केवल झारखंड बल्कि आसपास के राज्यों के पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। नववर्ष के अवसर पर यहां पहुंचे पर्यटक जलप्रपात की ऊंचाई, कलकल करती जलधारा और चारों ओर फैली हरियाली को देखकर मंत्रमुग्ध नजर आए। पर्यटकों की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन और वन विभाग की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। जलप्रपात के नीचे जहां पानी काफी गहरा है, वहां किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचाव के लिए पानी में उतरने पर पूरी तरह रोक लगाई गई है। सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी वन विभाग द्वारा गठित विकास समिति के माध्यम से की जाती है, क्योंकि यहां देश के साथ-साथ विदेशों से भी पर्यटक पहुंचते हैं।

नवंबर महीने से यहां पर्यटकों की आमद शुरू हो जाती है

घूमने आए सैलानियों ने बताया कि लोध फॉल की खूबसूरती मन को सुकून देने वाली है। उन्होंने कहा कि पहाड़ी से तीन अलग-अलग दिशाओं में गिरती जलधाराएं इस स्थान की सुंदरता को और भी खास बना देती हैं। हालांकि कुछ पर्यटकों ने यह भी कहा कि यदि जलप्रपात के पास बने लकड़ी के पुल की मरम्मत कर दी जाए, तो भ्रमण का अनुभव और बेहतर हो सकता है। लोध फॉल झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों के पर्यटकों के लिए पसंदीदा पर्यटन स्थल है। नवंबर महीने से यहां पर्यटकों की आमद शुरू हो जाती है, जो मार्च तक लगातार बनी रहती है। लोध फॉल तक सड़क मार्ग से आसानी से पहुंचा जा सकता है। रांची, पलामू, लातेहार या छत्तीसगढ़ से सड़क मार्ग द्वारा पहले महुआडांड़ पहुंचना होता है। इसके बाद महुआडांड़ से करीब 17 किलोमीटर दूर स्थित पार्किंग स्थल तक वाहन ले जाया जा सकता है। वहां से लगभग एक किलोमीटर पैदल चलकर पर्यटक जलप्रपात तक पहुंचते हैं।

धनबाद में 12 से ज्यादा दुकानों में लगी आग, लाखों का सामान जलकर खाक

संवाददाता

धनबादः जिले के निरसा थाना क्षेत्र स्थित निरसा बाजार में फुटपाथ के पास बनी एक दर्जन से अधिक दुकानों में भीषण आग लग गई। इस घटना में करीब 15 से 20 लाख रुपये का नुकसान होने की आशंका जताई गई है। घटना में दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं।

आग लगने की सूचना मिलते ही निरसा थाना पुलिस और डीवीसी मैथन एमपीएल की दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। जिसके बाद कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इसके साथ ही पुलिस और सीआईएसएफ की तत्परता से आसपास की अन्य दुकानों को आग से बचा लिया गया। आग लगने की वजह शॉट सर्किट बताई जा रही है।

देरी से पहुंची दमकल टीमः दुकानदार घटना के बाद दुकानदारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। पीड़ित दुकानदार ने बताया कि उन्हें रात करीब 12 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। जब वे वहां पहुंचे, तब तक उनकी दुकान पूरी तरह जल चुकी थी। दुकानदारों ने बताया कि आग लगने की जानकारी जैसे ही मिली, वैसे ही मौके पर पहुंच गए लेकिन तब तक सब कुछ जल चुका था। इस घटना में लाखों का नुकसान होने की आशंका है यदि दमकल टीम जल्दी पहुंच जाती तो कुछ दुकानों को बचाया जा सकता था।

दुकानदारों को हुआ भारी नुकसान : कपड़े की दुकान चलाने वाले दुकानदार ने बताया कि आग लगने के बाद उनकी दुकान में रखा सारा सामान जल गया है, जिससे उन्हें करीब 3 से 4 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि देर रात आग की जानकारी मिली थी जब वे वहां पहुंचे तब तक सब कुछ जलकर राख हो गया था। इस घटना के बाद इलाके के दुकानदारों को भारी नुकसान हुआ है। दुकानदारों ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। वहीं दमकल टीम के देरी से पहुंचने पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

राष्ट्रीय नवोन्मेष और विकसित भारत की संकल्पना

पिछले एक दशक में भारत की छवि निश्चित रूप से एक सशक्त देश के रूप में निखरी है। नए वर्ष में इस बदलते भारत के भविष्य के बारे में सोचते हुए हमें देश की समृद्ध प्राचीन सभ्यता और आधुनिक राष्ट्र राज्य की संकल्पना दोनों को ध्यान में रखना होगा। लोक की स्मृति में अभी भी नैतिक और न्यायपूर्ण शासन के लिए राम-राज्य की अमिट छवि कायम है। न केवल साल 1950 में लागू भारत के संविधान की मूल प्रति में मौलिक अधिकारों वाले अध्याय के आरंभ में राम का चित्र अंकित किया गया था बल्कि साल 2025 में अक्टूबर तक 22 करोड़ लोग अयोध्या में रामलला के दर्शन कर चुके हैं। साल के अंत तक यह संख्या 50 करोड़ हो सकती है। इसलिए जहाँ वैश्वीकरण के अनुकूल आकांक्षाओं को ध्यान में रखना होगा वहीं नैतिकता, सत्य तथा अहिंसा जैसे मानदंडों की भी चिंता करनी है।

राम-राज्य धर्म का राज्य की संकल्पना है जिसमें समता, समानता और सौहार्द के साथ सबका हर तरह से कल्याण मुख्य लक्ष्य है। देश की प्रगति की कथा को देखें तो उसमें निरंतरता और परिवर्तन दोनों के तत्व मिलते हैं। आज हमें संयत होकर यह विचार करना होगा कि विकसित भारत कैसा होगा ? यह प्रश्न इसलिए भी जरूरी हैं कि भारतीय समाज में अनेक प्रकार की बहुलताएँ हैं जिसे लेकर कुछ विचारक देश की मौलिक एकता को प्रश्नांकित करते हैं। वे भूल जाते हैं कि भारतीय दृष्टि में बहुलता अंतर्निहित मौलिक एकता का ही प्रकटन होती है- एकम् सद् विप्राः बहुधा वदंति। उसी एकता को खोजना पहचानने का उद्देश्य होना चाहिए। यही सात्विक ज्ञान है जैसा गीता में कहा गया है- अविभक्तम् विभक्तेषु यः पश्यति स पश्यति यानी बंटे हुओं में वह तत्व जो अनबंटा रहते हुए सब में मौजद रहता है उसे देखना चाहिए। पूरे प्राणी जगत में निकटता को आधार बना कर विविधताओं का सह अस्तित्व और पारस्परिक संवाद इस भारत की मौलिक सोच रही है। ऐसे में दूसरा या अन्य अनन्य (गहरा दोस्त!) हो जाता है। तब दूसरा या ह्यपरह्ण हमारे अपने स्व या आत्म का हिस्सा या ह्यअपरह्ण हो जाता है। हम दूसरे का आदर करते हैं और अपरिचित को अतिथि देवता के रूप में पूजते हैं । यह अकारण नहीं है कि परिवार या कुटुंब का रूपक हमारी सोच में केंद्रीय है। सबको शामिल करते हुए वसुधैव कुटुंबकम् के लक्ष्य को अपनाते हुए ही विविधता में समरसता स्थापित हो सकेगी। देश की एकता, देश को अपनाने के भाव और देशप्रेम के लिए भी यह दृष्टि जरूरी है। भविष्य पर गौर करते हुए ताजे अनुभवों पर ध्यान देना ठीक होगा। बीता वर्ष भारत के लिए चुनौतियों भरा था। अमेरिकी नीति ने भारत के निर्यात, रुपये की कीमत, निवेश तथा भुगतान संतुलन आदि को लेकर मुश्किलें खड़ी कर दीं। राष्ट्रपति ट्रम्प की तथाकथित अमेरिकी हितों को आक्रामक ढंग से आगे धकेलने की नीति ने निश्चित ही व्यापारिक दृष्टि से अहित किया। अमेरिका द्वारा पारस्परिक सीमा शुल्क अर्थात 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का निर्णय लिया गया। इन सबको देखते हुए स्थिति संभालने के लिए भारत ने कई कदम उठाए गए। जीएसटी की दरें कम की गईं और श्रम कानून में बदलाव लाया गया। यह बड़ी उपलब्धि है कि अंतरराष्ट्रीय अनिश्चितिता की विकट परिस्थितियों में भी भारत की जीडीपी की दर विश्व में अव्वल दर्जे की बनी रही। खुदरा मंहगाई दर भी आठ साल में सबसे कम रही। अच्छी पैदावार, आपूर्ति श्रृंखला में सुधार, कच्चे तेल की कम कीमत ने इस परिस्थिति में मदद की। शेयर बाजार में घरेलू निवेशक हमारी अर्थव्यवस्था की ताकत बने। आयकर रिटर्न के दाखिलों और कर-संग्रह में भी सुधार हुआ। कई देशों के साथ व्यापार समझौते भी किए जा रहे हैं। बिजली, शहरी विकास, खनन, और वित्तीय सेवा के क्षेत्र में नई पहलें की गईं। भारत एक बड़ी वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की राह पर अग्रसर है और अनुमान है कि साल 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी के साथ वह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगा। आशा की जाती है कि आर्थिक उन्नति से आम जनों का जीवन स्तर ऊँचा उठेगा। सामाजिक संरचना की दृष्टि से मध्यम वर्ग का आकार बढ़ रहा है जिससे खपत और शहरीकरण में वृद्धि और गरीबी में कमी के आसार बन रहे हैं। देश में बुनियादी ढांचा विस्तृत और सुदृढ़ हो रहा है। खासतौर पर डिजिटल प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा (एआई), अंतरिक्ष विज्ञान, मेट्रो और बुलेट ट्रेन आदि को लेकर प्रगति दर्ज हो रही है। मेड इन इंडिया के तहत मैन्युफैक्चरिंग, आईटी, स्वास्थ्य सेवा और स्टार्टअप्स में भारी वृद्धि से रोजगार के नए अवसर बढ़ रहे हैं। उत्पादन क्षेत्र में प्रगति की संभावना दिख रही है और स्वदेशी विकास की नीति अपनाई जा रही है। अनुमान है कि 5-जी और रोबोटिक्स के उपयोग का दायरा विस्तृत होता जायेगा। व्यापारिक लेनदेन अधिकाधिक ह्यकैशलेसह्ण होते जाएँगे। अब ऑनलाइन खरीददारी और ओटीटी प्लेटफॉर्म तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। भविष्य में एआई का प्रभुत्व और भी बढ़ेगा। उसी के साथ साइबर अपराध भी बढ़ रहे हैं। ऐसे में साइबर सुरक्षा बड़ा महत्वपूर्ण सरोकार बन रहा है। इन सबके साथ यह भी याद रखना जरूरी है कि देश का भविष्य सिर्फ आर्थिक उन्नति के सूचकों तक सीमित नहीं किया जा सकता। आर्थिक विकास को केवल वृद्धि दर के अर्थ में ही नहीं, बल्कि रोजगार के अधिक अवसर, सामाजिक गतिशीलता और आम जनों के जीवन-स्तर में उन्नति के संदर्भ में भी देखना होगा। जनसंख्या का विशाल आकार और सबके लिए गुणवत्तापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना निश्चित रूप से एक बड़ी चुनौती है। इसके लिए हमारी अर्थव्यवस्था को ज्ञान-केंद्रित और सामाजिक रूप से ज्यादा उत्तरदायी भी बनाना होगा। आत्मनिर्भर भारत के लिए अवसर भी है पर हम अपनी सीमाओं को भी नजरअंदाज नहीं कर सकते। उदाहरण के लिए युवा भारत को अक्सर एक पूंजी के रूप में घोषित किया जाता है पर इसके लिए कौशल, स्वास्थ्य और शिक्षा में निवेश करना होगा। कौशल विकास की कमी और युवाओं में बेरोजगारी के चलते समाज में असंतोष पैदा हो रहा है। यद्यपि नई शिक्षा नीति के दस्तावेज में अनेक प्रावधान हैं पर उसकी विसंगतियों को दूर कर उनके कार्यान्वयन के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे। उपेक्षा और साधनों के अभाव में विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था में गिरावट चिंताजनक है। शिक्षा की पहुँच, उसकी गुणवत्ता और प्रासंगिकता को लेकर संशय बना हुआ है। इसी तरह सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा की मुश्किलें भी बढ़ी हैं। मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी सुविधाएँ पर्याप्त नहीं हैं। अभी भी महिला श्रम-भागीदारी निम्न दर पर है। विकास रोजगार-रहित या अल्प-रोजगार वाला हो रहा है, आय और संपत्ति की असमानता भी बढ़ी है और अनौपचारिक क्षेत्र की असुरक्षा बनी हुई है। साथ ही जाति, वर्ग, लिंग और क्षेत्रीय विषमताएँ भी हैं। उनको दूर कर बहिष्कृत जनों का समावेश जरूरी होगा अन्यथा राजनैतिक दलों द्वारा सामाजिक ध्रुवीकरण कर चुनावी लाभ लेने का चक्र चलता रहेगा। हमें बहुलता और राष्ट्रीय एकता को जोड़ना आवश्यक है। देश की सांस्कृतिक विरासत का स्वागत-संवर्धन और वैश्वीकरण के आकर्षण के बीच भी तनाव है जिसका समाधान जरूरी है। यह भी उल्लेखनीय है कि देश की सीमाओं पर विदेशी आतंक और अस्थिरता लाने वाले देशी तत्वों की ओर से लगातार चुनौती आती रहती है। इस सिलसिले में आपरेशन सिन्दूर ने भारत की श्रेष्ठ स्तर की सामरिक तैयारी और अचूक मारक क्षमता का परिचय दिया। दुर्भाग्यवश कई पड़ोसी देशों की राजनैतिक अस्थिरता और उथल-पुथल को देखते हुए सतत चौकसी और सावधानी की जरूरत बनी हुई है। साथ ही प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से होने वाली अंतरराष्ट्रीय दखल परिस्थिति को और जटिल बना रही है।

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या और हमले की घटनाएं

> अब ईशनिंदा के झूठे आरोप लगाकर हिन्दुओं की हत्याएं की जा रही हैं। हिन्दू घरों में बाहर से ताला लगाकर आग लगाई जा रही है। इन सभी क्रूर आपराधिक घटनाओं को यूनुस सरकार का मौन समर्थन है

मृत्युंजय दीक्षित

अगस्त 2024 में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को हिंसक प्रदर्शनों के चलते अपना देश छोड़ना पड़ा, जिसके बाद बांग्लादेश में हिन्दुओं पर आक्रमण, हत्या और आगजनी की भीषण घटनाएं हुईं क्योंकि हिन्दुओं को उनकी पार्टी का समर्थक माना जाता है। शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनी। यूनुस के आते ही पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई बांग्लादेश में सक्रिय हो गई और भारत तथा हिन्दू विरोधी आग भड़काने में जुट गई। दिसंबर 2025 में भारत विरोधी नेता उस्मान हादी की हत्या के बाद यह आग और भड़क गई। अब ईशनिंदा के झूठे आरोप लगाकर हिन्दुओं की हत्याएं की जा रही हैं। हिन्दू घरों में बाहर से ताला लगाकर आग लगाई जा रही है। इन सभी क्रूर आपराधिक घटनाओं को यूनुस सरकार का मौन समर्थन है जिससे हिन्दू जान बचाकर भाग तक नहीं पा रहा है। बांग्लादेश हिंदू समाज के नरसंहार की भूमि बन चुका है। विभाजन के समय बांग्लादेश में हिन्दू जनसँख्या 23 प्रतिशत थी। 1974 की जनगणना में यह घटकर मात्र 13.5 प्रतिशत रह गई थी और अब मात्र 7.96 प्रतिशत है। हिन्दुओं पर हो रहे धार्मिक अत्याचारों का यही हाल रहा तो बांग्लादेश में हिन्दू पूरी तरह से लुप्तप्राय हो जाएंगे। विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 2022 में अल्पसंख्यकों पर 47 हमले दर्ज किए गए जो 2023 में बढ़कर 302 हो गए और फिर 2024 में तेजी से बढ़कर 3200 हो गए। दिसंबर माह में ही पहले दीपू चन्द्र दास और फिर अमृत मंडल को भीड़ ने ईशनिंदा के नाम पर बर्बरता से मार डाला। चटगांव मे हिंदू परिवार के घर में आग लगा दी गई। घटनास्थल से एक धमकी भरा नोट मिला जिसमें हिन्दुओं पर इस्लाम विरोधी गतिविधियों का आरोप लगाया गया था और गंभीर परिणाम की चेतावनी दी गई। हादी की मौत का बदला लेने के लिए भीड़ हिन्दुओं के खून की प्यासी होकर हथियारों के साथ सड़कों पर घूम रही है। बांग्लादेश में प्रतिवर्ष किसी न किसी बहाने हिंदू मंदिरों पर हमले हो रहे हैं और अब तक 850 से अधिक हिंदू मंदिरों को ध्वस्त किया जा चुका है। केवल ताजा हिंसा में ही अभी तक 200 से अधिक हिन्दुओं की हत्याएं और 170 से अधिक हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार जैसे जघन्य अपराध हो चुके हैं। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार बांग्लादेश में साल 2022 से 2024 के बीच हिन्दू अल्पसख्यकों पर हमलों के मामले आठ गुना बढ़ गए हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा के मामलों में जिस प्रकार से वृद्धि देखी जा रही है वह केवल तात्कालिक कानून व्यवस्था की समस्या नहीं है अपितु देश की सामाजिक तथा जनसांख्यिकीय संरचना को बदलने के लिए दशकों से किए जा रहे कट्टर इस्लामी राजनीतिक प्रयासों का परिणाम भी है। बांग्लादेश मे हिंदुओं के साथ हो रही हिंसा की पृष्ठभूमि बहुत पुरानी है। शेख हसीना की सरकार के समय भी हमले होते थे, विशेषकर जब हिन्दुओं के पवित्र नवरात्र प्रारंभ होते थे तब ईशनिंदा की झूठी अफवाहें फैलाकर दुर्गा पंडालों पर हमले किए जाते थे और उनमें तोड़फोड़ की जाती थी। अब अंतर यह आ गया है कि इन घटनाओं का नियंत्रण पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई व कट्टरपंथी अराजक तत्वों के हाथ में आ गया है। बांग्लादेश मे ईशनिंदा कट्टरपंथियों का सबसे बड़ा हथियार बन गया है। आठ ऐसे अवसर रहे हैं जब हिंदुओं पर ईशनिंदा के नाम पर भयानक हमले किए गए। सुनामगंज में एक फेसबुक पोस्ट के बाद पूरा हिंदू गांव तबाह कर दिया गया। रंगपुर के गंगा चरा में एक हिंदू युवक पर आरोप लगाने के बाद दंगाइयों ने 22 हिंदू घरों को ध्वस्त कर दिया। खुलना, बारिशाल, मौलवी बाजार, फरीदपुर, चांदपुर और कुमिल्ला जैसे जिलों मे भी हिंदुओं के साथ भयानक घटनाएं घटी हैं । मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार बनने के बाद से हिन्दुओं की स्थिति दिन प्रतिदिन बदतर होती जा रही है। नोबेल शांति पुरस्कार पाने वाला वास्तव में हिन्दुओं रक्त का प्यासा हो गया है जो उस्मान हादी के अंतिम संस्कार की जनसभा में कहता है कि ह्लहादी तुम जहां कहीं भी हो हम तुम्हारे हर सपने को अवश्य पूरा करेंगे।ह्व यह भाषण यूनुस की खतरनाक मंशा का संकेत कर रहा है। बांग्लादेश इस बात का प्रमाण है कि जहां मुस्लिम आबादी बढ़ जाती है, वहां पर अन्य अल्पसंख्यक समाज का रहना दूभर हो जाता है। आज बांग्लादेश में मुस्लिम जनसंख्या 91.08 प्रतिशत हो चुकी है और अल्पसंख्यक हिंदू समाज पूरी तरह से असुरक्षित हो गया है। बांग्लादेश के कट्टरपंथी देश में शरीयत का कानून लागू करना चाहते हैं। वे हिंदू महिलाओं को माथे पर बिंदी न लगाने, साड़ी न पहनने और बुर्का पहनने को कह रहे हैं और ऐसा न करने पर बलात्कार तथा परिवार को मारने की धमकियां दे रहे हैं। बांग्लादेश में भारत-बांग्लादेश के मध्य मैत्री को मजबूती प्रदान करने के लिए जिन सांस्कृतिक केन्द्रों की स्थापना की गई थी उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दे रहे कलाकारों पर हमला किया जा रहा है। जगह - जगह हिन्दुओं का नरसंहार कर अस्तित्व समाप्त करने के पोस्टर लगाए जा रहे हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में उस्मान हादी की मौत पर गहरी चिंता व्यक्त की जाती है किंतु हिन्दू नरसंहार पर चुप्पी साध ली जाती है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव के दौरान, बांग्लादेशी हिन्दुओं के लिए कहा था कि अगर बाइडेन की जगह उन्हें चुना गया होता तो आज वहां के हालात ऐसे न होते किंतु ट्रंप अब शांत हैं और अमेरिका से हिंदुओं की हत्याओं की निंदा करने का कोई बयान अभी तक नहीं आया है। कनाडा की संसद में एक महिला सांसद ने हिंदुओं के पक्ष में आवाज उठाई है, कुछ और देशों से भी आवाज उठ रही है किंतु वह नाकाफी है। बांग्लादेश में हिन्दुओं के नरसंहार पर दुनिया भर में मानवाधिकार का हल्ला मचाने वालों ने चुप्पी साध ली है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

हिंदुओं और भारत के खिलाफ पश्चिमी देशों में कैसे भरा जा रहा है जहर

> जनवरी 2025 में सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ ऑर्गेनाइज्ड हेट ने पर भारत विरोधी नस्लवाद पर एक रिपोर्ट जारी की। तब से, इस बात का कोई खास संकेत नहीं मिला है कि एक्स सहित सोशल मीडिया पर भारत विरोधी पूर्वाग्रह कम हुआ है। इस रिपोर्ट में एक्स पर भारत विरोधी नस्लवाद के मौजूदा स्तर का विश्लेषण किया गया है।

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

श्रीराम कृष्णन को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर व्हाइट हाउस का सीनियर पॉलिसी एडवाइजर नियुक्त किए जाने और विवेक रामास्वामी के 26 दिसंबर, 2024 को एक्स पर पोस्ट करने के बाद, जब वे डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (ऊडॠ) के लीडर के तौर पर अपने छोटे से कार्यकाल में थे, तो प्लेटफॉर्म पर भारत विरोधी नफरत में काफी बढ़ोतरी देखी गई। जनवरी 2025 में सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ ऑर्गेनाइज्ड हेट ने पर भारत विरोधी नस्लवाद पर एक रिपोर्ट जारी की। तब से, इस बात का कोई खास संकेत नहीं मिला है कि एक्स सहित सोशल मीडिया पर भारत विरोधी पूर्वाग्रह कम हुआ है। इस रिपोर्ट में एक्स पर भारत विरोधी नस्लवाद के मौजूदा स्तर का विश्लेषण किया गया है। यह भारत विरोधी भावना में बढ़ोतरी का विश्लेषण करती है, भारत विरोधी नस्लवादी बातचीत में मुख्य विषयों और कहानियों को बताती है और उन पोस्ट और मुद्दों पर प्रकाश डालती है जिनका उल्लेखनीय प्रभाव और पहुंच रही है। एक्स पर 680 ज्यादा एंगेजमेंट वाली भारत विरोधी नस्लवादी पोस्ट को 1 जुलाई से 7 सितंबर, 2025 के बीच 281.2 मिलियन व्यूज मिले। भारतीयों को ₹हमलावर₹ और ₹नौकरी चोर₹ बताने वाली कहानियों के साथ-साथ भारतीयों को देश से निकालने की मांगों वाली 474 पोस्ट (69.7%) और 111.8 मिलियन व्यूज मिले, जिससे इमिग्रेशन और निष्कासन से जुड़ी बातें एंगेजमेंट का मुख्य कारण बन गईं।ल्इ असंतोष और नौकरी चोरी की बातें मुख्य समूह में प्रमुख थीं, जोजेनोफोबिया को आर्थिक असुरक्षा के साथ मिला रही थीं और भारतीयों पर वीजाप्रतिबंध, इनकार, निर्वासन और नागरिकता रद्द करने की मांगों को बढ़ा रही थीं। 121 पोस्ट (17.8%) में भारत विरोधी अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया और उन्हें 74.3 मिलियन व्यूज मिले। 12 अगस्त को फ्लोरिडा में एक सिख ड्राइवर से जुड़े ट्रक दुर्घटना संबंधी 74 पोस्ट (10.9%) को 94.9 मिलियन व्यूज मिले, जिससे पता चलता है कि कैसे एक ही घटना का इस्तेमाल पूरे समुदाय को पेशे के आधार पर बलि का बकरा बनाकर बदनाम करने के लिए किया जाता है।

अगस्त 2025 में गतिविधि चरम पर थी, जिसमें 381 पोस्ट और 189.9 मिलियन व्यूज थे। अमेरिका-भारत टैरिफ विवाद और घटना-आधारित गुस्सा कहानियों में बढ़ोतरी के साथ मेल खाता था, जो दर्शाता है कि नीतिगत तनाव और ब्रेकिंग न्यूज नस्लवादी सामग्री को बढ़ाने वाले अनुमानित कारक के रूप में काम करते हैं। लगभग 65% पोस्ट यूएस पर केंद्रित थे, जिससे यह कन्फर्म होता है कि स्टडी के दौरान यूएस ही भारत विरोधी डिजिटल नस्लवाद का केंद्र था। असल में, वे भारत से नफरत नहीं करते बल्कि यह एक औपनिवेशिक मानसिकता और विकासशील देशों के प्रति पूर्वाग्रह है। यह उनके प्रभुत्व और भारत के अपनी पुरानी शान में लौटने के लिए खतरा पैदा करता है। पश्चिमी मीडिया और सत्ता संरचनाओं में कई लोगों के लिए भारत सिर्फ. हिंसा, पूर्वाग्रह, गरीबी और सामाजिक अशांति का प्रतीक हो सकता है। इतना ही नहीं, बल्कि औपनिवेशिक सोच वाले भारतीय बुद्धिजीवी भी ऐसे ही हैं। हिंदूफोबिया और हिंदू विरोधी नफरत कई अलग-अलग रूप ले सकती है, जानबूझकर और अनजाने में भी। उदाहरण के लिए, छठी कक्षा के छात्र को मूर्ति पूजक कहा जा सकता है और उसे अपनी क्लास से अलग-थलग महसूस कराया जा सकता है; एक दक्षिण एशियाई प्रोफेसर एक कॉलेज छात्र को हिंदू विरासत का छात्र होने के लिए निशाना बना सकता है और उसे शर्मिंदा कर सकता है; एक चुने हुए अधिकारी पर अमेरिका-भारत संबंधों पर उसकी स्थिति के कारण दोहरी वफादारी का आरोप लगाया जा सकता है और उसके साथ दोहरा मापदंड अपनाया जा सकता है या एक हिंदू अमेरिकी को उसी कारण से नाजी समर्थक कहा जा सकता है।

यह कोई आलोचना नहीं है। सैन्य स्टील्थ हथियारों की तरह, यह एक बेहद घातक, नरसंहार करने वाला मनोवैज्ञानिक हथियार है जो सबकुछ नष्ट कर देता है। यह जानबूझकर किया गया प्रयास है ताकि दूसरों को भारत के खिलाफ निष्क्रिय या आक्रामक तरीके से लामबंद होने के लिए उकसाया जा सके, उन्हें भारत पर आक्रमण और भारतीयों और हिंदुओं के खिलाफ नस्ली सफाई के लिए तैयार किया जा सके। लक्ष्य भारतीयों को बड़े पैमाने पर और गंभीर रूप से नीचा दिखाना है, ठीक वैसे ही जैसे नाजी जर्मनी और यूरोप के अन्य हिस्सों में यहूदियों के साथ किया गया था, ताकि कई लोग भारतीयों के खिलाफ भी नरसंहार करने की इच्छा रखें। फॉर्मूला वही है। हर बार जब भारतीयों या हिंदुओं को नस्ली सफाई या नरसंहार का शिकार बनाया जाता है, तो उनकी आसानी से उपलब्ध नफरत की कहानी उत्प्रेरक का काम करती है। हर बार जब ये हिंदू विरोधी नरसंहार और जातीय सफाई होती है, तो पश्चिमी मीडिया और संबंधित अकादमिक प्रचारक अपराधों को मिटाने, नकारने और पूरी तरह से सफाई देने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं, जबकि मारे गए हिंदुओं को अपराधी के रूप में पेश करते हैं। इस प्रकार, यह स्पष्ट है कि उनके इरादे हिंदू विरोधी हैं और वे इसमें शामिल हैं।

इसके अलावा, उनका नैरेटिव लगातार हिंदू समुदाय के खिलाफ घटिया, बदनाम करने वाले और आपस में बांटने वाला प्रोपेगेंडा है, जिसमें भारतीय संस्कृति और क्षेत्रों के सभी लोगों के खिलाफ गंभीर सैन्य, भू-राजनीतिक और नस्लवादी इरादे शामिल हैं। हमेशा की तरह, वे भारत में तबाही, गहरे बंटवारे, दंगे, अंदरूनी कलह, गृह युद्ध, बड़े पैमाने पर विनाश और आत्म-विनाश फैलाने की काली साज़िश के हिस्से के रूप में चुनिंदा, सनसनीखेज कहानी पेश करते हैं। धर्म, अधर्म, धार्मिक गुट, गहरे या हल्के रंग की त्वचा, भाषा, क्षेत्रवाद, राजनीतिक विचारधाराएं, जाति, लिंग, ऐतिहासिक और आर्थिक असमानताएं, पेशे, इतिहास का अकादमिक हेरफेर, आनुवंशिकी, पुरातत्व, और आर्यनआक्रमणसिद्धांत का अकादमिक हेरफेर। जब तक यह भारतीयों या पड़ोसी देशों के बीच दुश्मनी भड़का सकता है, वे अपने पास मौजूद हर हथकंडे का इस्तेमाल करते हैं। उनकी खास रणनीति फूट डालना और अंदरूनी कलह पैदा करना है। बांटो और राज करो एक पुराना लेकिन बेतुके रूप से असरदार तरीका है। इसका इस्तेमाल अभी भी भारतीयों के बीच आत्म-विनाश और गृहयुद्ध भड़काने के लिए किया जा रहा है। गौमूत्र के ताने भारतीय इस्लामी-वामपंथी माहौल में आम हो गए हैं। ₹अमेरिका फर्स्ट₹ एक्टिविस्ट के रूप में खुद को छिपाने वाले अमेरिकी ईसाई श्रेष्ठतावादी अब एक बहस में हिंदुओं के खिलाफ उसी गाय के पेशाब और गोबर के ताने इस्तेमाल कर रहे हैं। मार्च 2024 का होने के बावजूद एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें हिंदुओं से नफरत करने वाला स्टू पीटर्स, जो भारत को बहुत अच्छी तरह से जानने का झूठा दावा करता है, भारतीयों को ₹बिंदी वाले तिलचट्टे और परजीवी₹ कह रहा है। वीडियो में, पीटर्स दावा करता है कि भारतीय अपने चेहरों पर गोबर लगाते हैं और उससे अपने दांत साफ करते हैं। साथ ही और भी कई झूठी बातें कहता है जो एक आम नस्लवादी जो भारत से नफरत करता है, अलग-अलग घटनाओं की रिपोर्ट के आधार पर गढ़ सकता है और उसे पूरे भारत की घटना के रूप में पेश कर सकता है, जैसे कि अमेरिका में ईसाई बहुमत एक (काल्पनिक) आदर्श जगह है या अगर ₹बिंदी वाले₹ हिंदू भारतीयों को खत्म कर दिया जाए तो वह बन जाएगी। यह वही अमेरिका है जिसके व्यवसायों ने गंभीर बीमारियों के लिए दवाएं बनाने के लिए गोमूत्र के पेटेंट का इस्तेमाल किया।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

नए साल की शुरूआत भगवान जगन्नाथ के चरणों में

नव वर्ष के अवसर पर आज हजारों श्रद्धालु तीर्थ नगरी पुरी में उमड़ पड़े और 12वीं शताब्दी के मंदिर में भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए लंबी कतार में खड़े रहे। प्रशासन द्वारा घोषित समय के अनुसार मंदिर के द्वार देर रात 1:55 बजे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। श्रद्धालुओं का मानना है कि वर्ष के पहले दिन भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करने से उन्हें सफलता मिलती है। मंदिर के सामने कतारों में बुजुर्गों की संख्या अपेक्षाकृत कम दिखाई दी। अधिकारियों के अनुसार, इस अवसर पर मंदिर में प्रार्थना करना युवाओं के बीच एक विशेष चलन बन गया है। अधिकारियों ने बताया कि आसपास के क्षेत्रों को सीसीटीवी निगरानी में रखने के साथ-साथ भीड़ नियंत्रण के लिए मंदिर के अंदर और बाहर 2,100 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। श्रद्धालु कतारबद्ध तरीके से मंदिर में प्रवेश कर रहे थे और बाद में उन्हें ह्यबहारा कथा' से दर्शन की अनुमति दी

गई। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि श्रद्धालुओं की हर गतिविधि पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से नजर रखी जा रही है और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए विशेष टीम तैयार है। पुरी के पुलिस अधीक्षक प्रतीक सिंह ने कहा कि श्रद्धालुओं के सुचारू दर्शन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। हमारी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि जो श्रद्धालु कल रात से कतार में खड़े हैं, उन्हें बिना किसी बाधा के दर्शन प्राप्त हो सकें। सुविधा के लिए शेडों में सीसीटीवी कैमरे और सार्वजनिक संबोधन प्रणाली भी स्थापित की गई है। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं को देवी-देवताओं के सुचारू दर्शन में सहायता प्रदान करने के लिए सैकड़ों स्वयंसेवकों को तैनात किया है।

मंदिर प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह 11 बजे तक करीब 15 लाख श्रद्धालु मंदिर में प्रवेश कर चुके हैं और उन्हें व्यवस्थित रूप से दर्शन कराए गए हैं। श्री जगन्नाथ संस्कृति के शोधकर्ता भास्कर मिश्रा ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार नव वर्ष कोई धार्मिक त्योहार नहीं है, फिर भी यह अवसर श्री जगन्नाथ मंदिर में एक महत्वपूर्ण आयोजन के रूप में विकसित हो गया है। मंदिर में दर्शन के बाद अधिकांश श्रद्धालु समुद्र तट की ओर जाते हैं, इसलिए वहां भी विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने कहा कि नियमित कर्मचारियों के अलावा पुरी जिला प्रशासन ने पर्यटकों को समुद्र में सुरक्षित स्नान कराने के लिए 300 से अधिक जीवन रक्षकों को तैनात किया है।

टिप्स

खाना खाने के बाद खांसी और गले में खराश को न करें नजरअंदाज

आपने कभी गौर किया है कि भरपेट खाना खाने के बाद अचानक आपको खांसी आने लगती है या ऐसा लगता है कि गले में कुछ अटक गया है और वो ठीक ही नहीं हो रहा? अक्सर हम इसे मौसम का बदलाव, सर्दी-जुकाम या गले का इन्फेक्शन समझकर कफ सिरप पीने लगते हैं, लेकिन अगर यह समस्या बार-बार हो रही है, तो सावधान हो जाइए। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट, डॉ. जोसेफ सालहब ने एक इंस्टाग्राम रील के जरिए खुलासा किया है कि यह खांसी आपके फेफड़ों या गले की बीमारी नहीं, बल्कि आपके पेट की एक छिपी हुई समस्या का संकेत हो सकती है।

फ्लू नहीं, एसिड रिफ्लक्स हो सकती है वजह

डॉ. सालहब बताते हैं कि लगातार रहने वाली खांसी, बार-बार गला साफ करने की आदत, या गले में कुछ फंसा हुआ महसूस होना हमेशा सांस से जुड़ी बीमारी नहीं होती। कई मामलों में, यह लैरींगोफेरीन्जियल रिफ्लक्स या छढफका संकेत हो सकता है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें पेट का एसिड ऊपर की ओर आकर आपके गले और वॉयस बॉक्स तक पहुंच जाता है। यह जलन पैदा करता है और आपको लगता है कि आपका गला खराब हो रहा है, जबकि असल में यह पाचन तंत्र की समस्या है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

महावीर प्रसाद मंडल ने थाना में आवेदन देकर लगया न्याय की गुहार

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत केलाबाड़ी निवासी महावीर प्रसाद मंडल ने जिरवाबाड़ी थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाया। जहां बताया कि बीते 4 दिसंबर से लेकर 30 दिसंबर कुछ अज्ञात युवकों के द्वारा मेरे घर पर हमलोगों को धमकी दिया जा रहा है। 8 से 10 की संख्या में कुछ युवक आते है। और कहते है। की जमीन का पेपर दिखाए मै याकूब खान के पोता हूं। मजहर टोला बड़ी मस्जिद के पास घर है। उनलोगों के द्वारा बुलडोजर एवं बम गिराने की धमकी देते रहते है। मामले में जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

रेलवे ने जिलावासियों को साहिबगंज वर्धमान मेमू ट्रेन के रूप में तोहफा

साहिबगंज : नववर्ष के पहले दिन एक जनवरी गुरुवार की दोपहर रेलवे ने जिलावासियों को साहिबगंज वर्धमान मेमू ट्रेन के रूप में तोहफा दिया। ट्रेन नंबर 63064 साहिबगंज तीनपहाड़ बर्धमान मेमू ट्रेन दोपहर 1:45 बजे प्लेटफॉर्म नंबर तीन से वर्धमान के लिए रवाना हुई। स्टेशन प्रबंधक गुड्डू साह सहित अन्य ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। वही एसएस ने बताया कि ट्रेन नंबर 63064 साहिबगंज वर्धमान मेमू लोकल ट्रेन साहिबगंज से प्रत्येक दिन दोपहर 1:35 बजे बर्धमान के लिए रवाना होगी, वर्धमान तक सभी स्टेशन में रुकते हुए जाएगी। वर्धमान रात्री 8:25 बजे पहुंचाएगी। सुबह 06:05 बजे वर्धमान जक्शन से ट्रेन नंबर 63063 वर्धमान साहिबगंज मेमू लोकल ट्रेन साहिबगंज के लिए प्रत्येक दिन प्रस्थान करेगी। वर्धमान जाने के लिए साहिबगंज से 13428 साहिबगंज हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस सुबह 05:20 बजे, 13032 जयनगर हावड़ा एक्सप्रेस सुबह 10:20 बजे, 13024 गया हावड़ा शाम 07:55 बजे ओर 13072 हावड़ा जमालपुर सुपर एक्सप्रेस था। वही मेमू ट्रेन के खुलने से साहिबगंज तीनपहाड़ बरहरवा पाकुड़ रेलखंड के छात्रों, व्यवसायियों, यात्रियों को काफी आसानी हुई। ये ट्रेन पूर्व में वर्धमान से तीनपहाड़ तक ही चलती है, जिसे रेलवे ने विस्तार करके साहिबगंज तक किया है। मौके पर चालक आर के यादव, गार्ड बजरंग बली, स्टेशन प्रबंधक गुड्डू साह, डिप्टी एसएस अमित कुमार, गिरधारी कुमार सहित अन्य थे।

सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटना में कमी ला सकते हैं : मिथिलेश

साहिबगंज : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत आज जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर ह्नो हेलमेट नो पेट्रोल व नो सीट बेल्ट नो फ्यूल अभियान संचालित किया गया।इस अवसर पर वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने स्वयं और अन्य यात्रियों के जीवन की सुरक्षा हेतु हेलमेट व सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही यह भी बताया गया। कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन कर हम जिले राज्य में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में कमी ला सकते हैं। अपने अनमोल जीवन की रक्षा कर सकते हैं।जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि प्रतिवर्ष सड़क दुर्घटनाओं में अनेक लोगों की जान चली जाती है, जबकि हेलमेट सीट बेल्ट एवं अन्य सुरक्षा उपकरणों का नियमित प्रयोग कर इन दुर्घटनाओं से काफी हद तक बचा जा सकता है। उन्होंने सभी वाहन चालकों से अपील की कि वे यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करें एवं सुरक्षित यातायात की परंपरा को सशक्त बनाएं।कार्यक्रम के दौरान एम.बी.आई. अभिषेक मुंडा व सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

जैप-09 मैदान में आरक्षी को अंतिम सलामी दी

साहिबगंज : जैप-09 के आरक्षी 348 चतरा,टंडवा निवासी श्याम कुमार का इलाज के दौरान निधन हो गया। श्याम लंबे समय से किडनी की बीमारी से ग्रसित थे।उनका बाहर से भी इलाज चल रहा था। बुधवार की रात अत्यधिक तबियत बिगड़ने पर उन्हें जैप 09 में नर्सिंग अर्दली सीताराम पासवान ने इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां देर रात लगभग 3:30 बजे उनका निधन हो गया। इधर गुरुवार को जैप-09 मैदान में आरक्षी को अंतिम सलामी दी गई। डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा सहित जैप 09 के सभी पदाधिकारियों व कर्मियों ने आरक्षी श्याम कुमार को श्रद्धांजलि दी आरक्षी के शव को उनके परिजनों के साथ ससम्मान चतरा रवाना कर दिया गया।

मसानजोर डैम में किया गया स्काई लैंटर्न फेस्टिवल का आयोजन

दुमका : पर्यटकों को आकर्षित करने एवं जिले की पर्यटन संभावनाओं को नई पहचान देने के उद्देश्य से नव वर्ष के अवसर पर मसानजोर डैम, दुमका में स्काई लैंटर्न फेस्टिवल 2025 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला पर्यटन कार्यालय, दुमका द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों एवं पर्यटकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर आकाश में एक साथ छोड़े गए सैकड़ों स्काई लैंटर्न ने मसानजोर डैम के प्राकृतिक सौंदर्य को और भी मनोहारी बना दिया।

आदर्श शिक्षक समाज के लिए प्रेरणास्रोत : डॉ दिलीप

संवाददाता

दुमका : डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस,दुमका (प्लस टू जिला स्कूल,दुमका) के पूर्व प्रभारी प्राचार्य सह राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त आदर्श शिक्षक डॉ0 दिलीप कुमार झा बुधवार को सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। सरकारी सेवा के अंतिम दिन डॉ0 दिलीप कुमार झा ने सरकारी सेवको के लिए एक प्रेरणादायक अनूठी पहल की शुरूआत की। डॉ0 झा ने सेवाकाल के अन्तिम दिन शहर के सभी महापुरुषों के मूर्तियों को साफसफाई करके पानी से धुलवाए एवं पुनः महापुरुषों के मूर्तियों पर माल्यार्पण किया। डॉ0 झा ने बताया कि शहर में स्थित सिद्दो कान्हू, बिरसा मुंडा,तिलका माँझी, लौह पुरुष सरदार पटेल, डॉ0 भीम राव अम्बेडकर, कुँवर सिंह,विवेकानंद, सुभाषचंद्र बोस एवं जननायक कपूर्री ठाकुर के मूर्तियों को सफाई करके आज माल्यार्पण किया गया है।डॉ0 झा ने अपने अर्धांगिनी पुष्पलता झा , बेटी लवणी लावण्य, दामाद अमित कुमार झा,विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य महेन्द्र राजहंस, विद्यालय के शिक्षकों एवं मित्रो के साथ विद्यालय में फलदार वृक्ष लगाकर सबको पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। डॉ0 झा ने कहा कि आदर्श शिक्षक समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत होते हैं।अनादिकाल से ही शिक्षकों को समाज का गुरु एवं पथप्रदर्शक माना गया है। शिक्षक जो भी कार्य करते हैं वह समाज के लिए एक नजीर बन जाता है। कहा कि एक आदर्श शिक्षक समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत होते हैं।कहा कि मैं अपने सेवाकाल में शिक्षण कार्य के साथ साथ समाज सेवा को भी जीवन का एक उपासना समझा। प्रभारी प्राचार्य महेन्द्र राजहंस ने कहा कि डॉ0 दिलीप कुमार झा बड़े भाई के रूप में हमेशा हमलोगों का मार्गदर्शन करते थे। उनका हर कार्य हमलोगों के लिए आदर्श एवं प्रेरणादायक होता था। कहा कि दुःख है कि बड़े भाई डॉ0 झा हमलोगों को मार्गदर्शक के रूप में पूरा समय नही दे पाएंगे, लेकिन विश्वास है

कि समय समय पर उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन विद्यालय परिवार को मिलता रहेगा।कहा कि विगत कई वर्षो से डॉ0 झा अपने माता पिता के याद में विद्यालय के बच्चों को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर मैडल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित भी करते थे। डॉ0 झा की अर्धांगिनी पुष्पलता झा ने बताया कि डॉ0 झा परिवार के दायित्वों के साथ साथ अपने सेवाकालीन दायित्वों एवं सामाजिक दायित्वों को निष्ठापूर्वक निभाया। श्रीमती झा ने कहा कि कभी कभी तो डॉ0 झा पारिवारिक दायित्वों से ज्यादा सेवाकालीन एवं सामाजिक दायित्वों को प्राथमिकता दी। विद्यालय के एनसीसी यूनिट के एएनओ निवास रजक ने कहा कि डॉ0 दिलीप कुमार झा हमसभी के लिए आदर्श हैं। विद्यालय के पीजीटी शिक्षक अमित कुमार पाण्डेय ने कहा कि कठीन परिस्थिति में भी डॉ0 झा अपने अनुठी कौशल से समस्या का समाधान खोज लेते हैं। विद्यालय के शिक्षक संजय कुमार सिन्हा ने कहा कि डॉ0 झा बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के जिला सचिव विजय कुमार दूबे ने कहा कि अपने सेवानिवृत्ति दिवस पर डॉ0 झा द्वारा लगाए जाने वाले फलदार वृक्ष विद्यालय के स्वच्छ वातावरण एवं भविष्य में विद्यालय का उत्तरोत्तर सर्वांगीण विकास का प्रतीक है।मौके पर उपस्थित प्रभारी प्राचार्य महेन्द्र राजहंस, डॉ0 झा की अर्धांगिनी पुष्पलता झा, बेटी लवणी लावण्य, दामाद अमित कुमार झा,भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के जिला सचिव विजय कुमार दूबे,शिक्षक अमित कुमार पाण्डेय, स्नेहलता मराण्डी,संजय कुमार सिन्हा, निवास रजक,कृशणा कुमारी, शिवकान्त त्रिपाठी, जयन्त स्नेही, के अलावे विद्यालय परिवार के ओसामा, एनसीसी कैडेट्स विष्णु मण्डल, यशराज कश्यप,उत्तम कुमार, आयुष कुमार,मिलन मंडल,अभिषेक चन्द्रा ने डॉ0 झा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सड़क सुरक्षा पर चौपाल कार्यक्रम का हुआ आयोजन

संवाददाता

देवघर : जिले के जिला परिवहन पदाधिकारी शैलेश प्रियदर्शी के नेतृत्व में गुरुवार को सीख से सुरक्षा, टेक्नोलॉजी से परिवर्तन थीम आधारित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 का शुभारंभ किया गया। इस दौरान गुरुवार को नंदन पहाड़ पार्क, देवघर के प्रांगन में सड़क सुरक्षा चौपाल जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नया वर्ष 2026 मानाने आये प्रयटक के बिच चौपाल लगाकर सड़क सुरक्षा के बारे में विस्तार पूर्वक बताकर जागरूकता कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस दौरान चौपाल में मौजूद आम लोगो को ऋङ्क्षद्ग रें१३ल्ल(नेक नागरिक) योजना, हिट एंड रन मुआवजा योजना, खतरनाक ढंग से एवं तेज गति से वाहन चलाने का नुकसान, हेलमेट की अनिवार्यता, सीट बेल्ट का महत्व, विचलित ड्राईविंग से खतरा, इंडिकेटर का सही प्रयोग, गलत दिशा में ड्राइविंग करने का जानलेवा परिणाम, हेडलाइट का शिष्टाचार उपयोग, नशे की हालत में वाहन चलाने का गंभीर परिणाम, वाहन चलाते समय फोन का उपयोग का हानि, रफ्तार घटाओ, सुरक्षा बढ़ाओ का महत्व इत्यादि के बारे में बताकर जागरूक किया गया। साथ ही बताया गया कि इस वर्ष सड़क सुरक्षा माह, 01 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक मनाया जायेगा एवं पुरे माह जागरूकता रथ, नुक्कड़ नाटक, प्रभात फेरी, खेल प्रतियोगता, रैली, झांकी, कुइज एवं पेंटिंग प्रतियोगिता इत्यादि कार्यक्रम का आयोजन कर आम लोगो को जागरूक कर सड़क सुरक्षा के प्रति जिमेवार बनाकर सड़क दुर्घटना में कमी लाएंगे। मौके पर मोटरयान निरीक्षक,देवघर अमित कुमार झा, सुभाष तिग्गा ,जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक, देवघर शिव कुमार राय, यातायात प्रभारी, देवघर संजय कुमार, प्रधान लिपिक टीङ्क एनङ्क मिश्रा, सड़क अभियंत्रिक विश्लेषक, प्रविंद कुमार, आईङ्क टीङ्क सहायक अजय कुमार एवं अन्य कार्यालय तथा पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

नए साल पर एक दूसरे को लोगों ने दी बधाई

संवाददाता

साहिबगंज : एक जनवरी 2026 दिन गुरुवार को लोग नवंबर के नोटून वर्ष पर पर गंगा स्नान कर मंदिरों में पूजार्चना की वही बीसी मंदिर में लोगों ने बीसी में के प्रतिमा के आगे अपने माथा टेक कर अपने मनोका मना की पुरनौती की कामना की काफी संख्या में भीड़ लग वही बताते चलेगी बिजली घाट रोड स्थित कैथोलिक चर्च में एक जनवरी 2026 पर ईसाई धर्म बालीओ चर्च में जाकर निशा पूजा में हिस्सा लिया वही ईसाई धर्म को मानने वाले सैकड़ो की संख्या में उपस्थित हुए और नए साल पर एक दूसरे को बधाई दी वही निशा पूजा करते हुए चर्च के फादर प्रमोद क्या था सिस्टर नूरी सिस्टर बालसा सिस्टर नीलम ब्रदर जॉर्ज हेंब्रम अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एसडीपीओ एवं अन्य ईसाई धर्म को मानने वाले हजारों की संख्या में आज चर्च में हिस्सा लेकर मिश्रा पूजा में भाग लिए भाईचारा और प्रेम को बढ़ावा देने की बात चर्च के फादर ने श्रोताओं को संबोधित किया सहायताओं को मदद करो भूखे को भोजन दो जरूरतमंदों को जरूर को पूरा करो आपस में प्रेम भाव बनाकर रखो कुछ नहीं जाना है सब यहीं रह जाना है प्रभु के बताए हुए मार्ग पर चले प्रभु ने सभी का पाप को अपने ऊपर लेकर जो उन्हें प्रताड़ना दिया उन्हें भी क्षमा किया उपस्थित हजारों की भीड़।

गला रेतकर हत्या किए जाने की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने की खुलासा

संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत मंडई स्थित एक गैराज में बुजुर्ग की गला रेतकर हत्या किए जाने की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है।मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 22 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त आरी भी बरामद की है।राजमहल एसडीपीओ ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि मंडई स्थित एक गैराज में एक बुजुर्ग की गला काटकर हत्या की वारदात के बाद आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर राजमहल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया।अनुसंधान के दौरान छापामारी दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत मंडई, बेगमपुरा निवासी इरफान शेख उर्फ

फारुख शेख (22) को गिरफ्तार किया। सख्ती से पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त आरी बरामद कर ली गई है।इस संबंध में राजमहल थाना कांड संख्या 01 ,26 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 103 ,1बीएनएस में मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजमहल विमलेश त्रिपाठी, राजमहल प्रभारी पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन, राजमहल थाना प्रभारी सहित राधानगर, तीनपहाड़ थाना प्रभारी व सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

नववर्ष पर बाबा बासुकिनाथ के फौजदारी दरबार में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

संवाददाता

बासुकिनाथ : नववर्ष के पहले दिन गुरुवार को विश्वप्रसिद्ध शिवनगरी बाबा बासुकिनाथ के फौजदारी दरबार में पूजा अर्चना को लेकर कड़ाके के ठंड के बीच श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा । प्रातः लगभग तीन बजे मंदिर प्रबंधन द्वारा बाबा मंदिर सहित अन्य मंदिरों का पट खोल दिया गया । गर्भगृह की साफ सफाई के बाद सैकड़ों स्थानीय एवं अन्य श्रद्धालुओं ने जिसमें प्रशासनिक पदाधिकारी भी शामिल थे,ने पूजा अर्चना किया और बाबा बासुकिनाथ से वर्ष भर के लिए अपने अपने सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगा । दिन ढलने के साथ ही आगंतुक श्रद्धालुओं से मंदिर परिसर,शिवगंगा घाट, पेड़ा गली पट सा गया । मंदिर प्रशासन ने पहली जनवरी को लेकर आगंतुक हजारों श्रद्धालुओं की उमड़ने वाले भीड़ को लेकर चाक चौबंद व्यवस्था किया

था । आगंतुक सभी श्रद्धालुओं को हाथी द्वार से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मंदिर परिसर में कतार में लगाकर गर्भगृह में प्रवेश करने का व्यवस्था किया था । मंदिर प्रशासन द्वारा भीड़ से निपटने के लिए श्रद्धालुओं की पूजा अर्चना को लेकर शीघ्रदर्शनम टिकट का काउंटर खुला हुआ था । जिसमें आगंतुक श्रद्धालुओं को कम समय में पूजा अर्चना करने की सुविधा प्रदान किया गया था । शीघ्रदर्शनम कूपन काउंटर से शीघ्र दर्शन करने वाले सैकड़ों श्रद्धालुओं ने तीन सौ रुपए का कूपन लेकर विशेष सुविधा के तहत मंदिर में प्रवेश कर जलार्पण किया । साढ़े आठ बजे प्रातः से लेकर संध्या पांच बजे तक हजारों श्रद्धालुओं के आगमन से बासुकिनाथ मंदिर और परिसर में व्यवस्था पर आस्था भारी पड़ गया । शीघ्रदर्शनम टिकट लेकर वी आई पी प्रवेशद्वार से मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं में अफरातफरी का माहौल बना रहा ।

एसकेएमयू ने वर्ष 2026 के लिए अवकाश कैलेंडर किया जारी

संवाददाता

दुमका : सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका ने वर्ष 2026 के लिए अवकाश कैलेंडर जारी कर दिया है। यह अवकाश सूची झारखंड सरकार के लोकभवन, रांची से प्राप्त यूनिफॉर्म अवकाश सूची के आधार पर तैयार की गई है। वर्ष 2026 में विश्वविद्यालय के शिक्षकों को कुल 86 दिन(रविवार सहित) तथा शिक्षकेतर कर्मचारियों को कुल 66 दिन(रविवार सहित) का अवकाश दिया गया है। साथ ही लोकभवन के निदेर्शानुसार पांच प्रतिबंधित अवकाश भी इस सूची में सम्मिलित किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि उपर्युक्त अवकाश सूची में कुल 10 रविवार सम्मिलित हैं। इस प्रकार वास्तविक रूप से शिक्षकों के लिए 76 दिन तथा शिक्षकेतर कर्मचारियों के लिए 56 दिन का अवकाश घोषित किया गया है। यह भी उल्लेखनीय है कि शिक्षकों को शिक्षकेतर कर्मचारियों की तुलना में 20 दिनों का अतिरिक्त ग्रीष्मावकाश प्रदान किया जाता है। ग्रीष्मावकाश की अवधि में विश्वविद्यालय के कार्यालय खुले रहते हैं तथा शिक्षकेतर कर्मचारियों द्वारा नियमित रूप से प्रशासनिक एवं गैर-शैक्षणिक कार्यों का संचालन किया जाता है। बता दें कि राज्यपाल सचिवालय द्वारा झारखंड के सभी विश्वविद्यालयों को एक साझा अवकाश सूची उपलब्ध कराई गई थी, जिसके आलोक में विश्वविद्यालय के कुलसचिव द्वारा वर्ष 2026 की अवकाश संबंधी अधिसूचना जारी की गई है। लोकभवन से यूनिफॉर्म अवकाश सूची प्राप्त होने के उपरांत विश्वविद्यालय 02 जनवरी 2026 से पुनः खुल गया है, जबकि विश्वविद्यालय द्वारा पूर्व में जारी प्रोविजनल अवकाश सूची में 02 जनवरी को अवकाश घोषित था। 02 जनवरी से विश्वविद्यालय के सभी कार्यालयों, सभी स्नातकोत्तर विभागों एवं संबद्ध महाविद्यालयों में प्रशासनिक तथा शैक्षणिक गतिविधियाँ नियमित रूप से संचालित होंगी।

वर्ष 2026 की अवकाश सूची-

नव वर्ष दिवस - 01 जनवरी (गुरुवार)
सोहराय एवं बंदना - 12-13 जनवरी (सोम-मंगल)
मकर संक्रांति - 14 जनवरी (बुधवार)
नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती / बसंत पंचमी - 23-24 जनवरी (शुक्र-शनि)
गणतंत्र दिवस - 26 जनवरी (सोमवार)
शब-ए-बारात - 05 फरवरी (गुरुवार)
बहा पर्व - 02 मार्च (सोमवार)
होली - 03 - 05 मार्च (मंगल-गुरुवार)
रमजान का अंतिम शुक्रवार - 20 मार्च (शुक्रवार)
सरहुल / ईद-उल-फितर - 21 मार्च (शनिवार)
राम नवमी - 26 मार्च (गुरुवार)
महावीर जयंती - 31 मार्च (मंगलवार)
गुड फ्राइडे - 03 अप्रैल (शुक्रवार)
पवित्र शनिवार - 04 अप्रैल (शनिवार)
ईस्टर सोमवार - 06 अप्रैल (सोमवार)
डॉ. अंबेडकर जयंती - 14 अप्रैल (मंगलवार)
बुद्ध पूर्णिमा / मजदूर दिवस - 01 मई (शुक्रवार)
ईद-उल-जुहा (बकरीद) - 27 मई (बुधवार)
ग्रीष्मावकाश - 01 से 20 जून
मुहर्रम - 26-27 जून (शुक्र-शनि)
हुल दिवस - 30 जून (मंगलवार)
रथ यात्रा - 16 जुलाई (गुरुवार)
चेहल्लुम - 04 अगस्त (मंगलवार)
स्वतंत्रता दिवस - 15 अगस्त (शनिवार)
सावन का अंतिम सोमवार - 24 अगस्त (सोमवार)
ईद-ए-मिलाद-उन-नबी - 26 अगस्त (बुधवार)
रक्षा बंधन - 28 अगस्त (शुक्रवार)
जन्माष्टमी - 04 सितंबर (शुक्रवार)
गणेश चतुर्थी - 14 सितंबर (सोमवार)
विश्वकर्मा पूजा - 17 सितंबर (गुरुवार)
कर्मा पूजा - 22-23 सितंबर (मंगल-बुध)
अनंत चतुर्दशी - 25 सितंबर (शुक्रवार)
गांधी जयंती - 02 अक्टूबर (शुक्रवार)
महालय - 10 अक्टूबर (शनिवार)
दशहरा अवकाश - 16-21 अक्टूबर (शुक्र-बुध)
धनतेरस, दीपावली, भगवान बिरसा मुंडा जयंती / राज्य स्थापना दिवस एवं छठ पूजा - 06-18 नवंबर
गुरु नानक जयंती / कार्तिक पूर्णिमा - 24 नवंबर (मंगलवार)
क्रिसमस एवं शीतकालीन अवकाश - 25-31 दिसंबर

तान्या की मिमिक्री कर फंसी जेमी !

फेमस कॉमेडियन जॉनी लीवर की बेटी जेमी लीवर ने सोशल मीडिया से कुछ समय के लिए ब्रेक लेने का फैसला किया है. उन्होंने इसकी जानकारी एक पोस्ट अपलोड कर दी है. उन्होंने कहा है कि वह थोड़ा आराम और रीसेट करना चाहती हैं. साथ ही अगले साल मिलने की बात कही है. कॉमेडियन जेमी लीवर हमेशा ही हर किसी को हंसाने का काम करती हैं. वो

सोशल मीडिया से लेना पड़ा ब्रेक

अपने सोशल मीडिया पर कई रील्स अपलोड करती रहती हैं, जिसे देखकर सभी फैंस हमेशा खुश हो जाते हैं. जेमी स्टार्स की मिमिक्री करने में भी काफी माहिर है. लेकिन इसकी वजह से उन्हें इस बार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. दरअसल कुछ दिनों पहले उन्होंने 'बिग बॉस 19' फेम तानिया मित्तल की मिमिक्री की थी, जिस पर लोगों ने नाराजगी जताई. कुछ यूजर्स को लगा कि इस वीडियो में जेमी 'बिग बॉस 19' कंटेस्टेंट की बॉडी शेमिंग कर रही हैं. इसके बाद जेमी लीवर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा की वो कुछ समय के लिए ब्रेक ले रही हैं. उनका ये पोस्ट फैंस के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है. उन्होंने पोस्ट में लिखा ही वो रेस्ट और रीसेट करना चाहती हैं.

तान्या मित्तल की मिमिक्री

जेमी ने हाल ही में 'बिग बॉस 19' की कंटेस्टेंट तान्या मित्तल की नकल करते हुए एक रील बनाई थी, जिसमें जेमी तान्या के एक्सप्रेशन की नकल कर रही थीं, जहां वह रोती हुई भी नजर आईं . जेमी ने कहा कि वह शो में नंबर 1 एंटरटेनर को मिस करेंगी. इस वीडियो पर कई यूजर ने कहा कि वह मिमिक्री में बहुत आगे बढ़ गई हैं, जहां वह तान्या और उनके लुक का मजाक उड़ा रही हैं.

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा क्रिसमस और नए साल की शुरुआत के लिए वेकेशन पर गए हैं। इस दौरान दोनों को मैचिंग हुडी पहने देखा गया।

विजय-रश्मिका एक साथ मनाएंगे

न्यू ईयर 2026

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा को हाल ही में एक जैसी हुडी पहने हैदराबाद एयरपोर्ट पर देखा गया। इस दौरान दोनों को एक जैसे कपड़े पहने देखकर उनकी डेटिंग की अफवाहों को और हवा मिल गई है। एक खबर के अनुसार, रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों के लिए एक साथ छुट्टी मनाने विदेश गए हैं। वे हैदराबाद एयरपोर्ट पर एक साथ नजर आए। विजय ने ग्रे कलर की हुडी और अपनी पसंदीदा बीनी कैप पहनी थी, जबकि रश्मिका ब्लैक आउटफिट में थीं।

रश्मिका और विजय का लुक

रश्मिका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एयरपोर्ट से अपनी एक फोटो शेयर की और लिखा, 'अब छुट्टियों का समय!' उन्होंने लाल दिल वाले और गले लगाने वाले इमोजी भी लगाए। छुट्टी पर पहुंचकर रश्मिका ने एक बड़े क्रिसमस ट्री के पास अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं। वे मजेदार पोज दे रही थीं और कैप्शन में लिखा, 'मेरी क्रिसमस मेरे प्यारे दोस्तों।' फैंस ने नोटिस किया कि रश्मिका की हुडी विजय की पुरानी हुडी से मिलती-जुलती है, जो वे अक्सर पहनते हैं। एक फैन ने कमेंट किया, 'विजय कहां है?', तो दूसरे ने कैप की तरफ इशारा किया।

अक्सर चर्चा में रहते हैं रश्मिका और विजय

रश्मिका और विजय की जोड़ी हमेशा चर्चा में रहती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने अक्तूबर 2025 में सगाई कर ली है और फरवरी 2026 में शादी करने की योजना बना रहे हैं, लेकिन अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई। दोनों ने एक साथ 'गीता गोविंदम' और 'डियर कॉमरेड' फिल्मों में अभिनय किया है।

थलपति विजय का मलेशिया में शाही स्वागत, ऑडियो लॉन्च से पहले ही मचा धमाल !

थलपति विजय अपने आने वाले फिल्म जन नेता के ऑडियो लॉन्च से पहले जब मलेशिया पहुंचे, तो वहां उनका स्वागत किसी रॉयल सेलिब्रेशन से कम नहीं रहा। खास बात ये कि उन्हें परंपरागत सिलाट परफॉर्मेंस के साथ रिसीव किया गया–मलेशिया का नेशनल मार्शल आर्ट–जिसने उनके स्टारडम और इंटरनेशनल फैन फॉलोइंग को और ज्यादा स्पेशल बना दिया।धुनों पर थिरकती पारंपरिक बीट्स, दमदार मूव्स और चारों तरफ 'विजय-विजय' के नारे–ये वेलकम वीडियो इंटरनेट पर पहले ही वायरल हो चुके हैं और फिल्म के ऑडियो लॉन्च के लिए एक्साइटमेंट आसमान छू रही है। बिजनेस की बात करें तो फिल्म पहले ही बड़े तूफान के लिए तैयार दिख रही है। शुरुआती ट्रेंड्स और ओवरसीज़ एडवांस बुकिंग्स बता रही हैं कि ये विजय के करियर के सबसे स्ट्रॉन्ग ओपनिंग्स में से एक हो सकती है–खासकर इंटरनेशनल मार्केट्स में।जन नेता पहले से ही 'इवेंट फिल्म' फील दे रही है। ऑडियो लॉन्च बस आने ही वाला है और विजय का ये मलेशिया एंट्री मोमेंट ने क्रेज को और हाई कर दिया है–जो आने वाले समय का एक मेगा सिनेमैटिक धमाका होने वाला है।

फिल्म के डायरेक्टर हैं एच. विनोथ –जो अपनी स्ट्रॉन्ग स्टोरीटेलिंग और लेयर्ड नैरेटिव के लिए जाने जाते हैं।

करीना-पृथ्वीराज की दायरा की शूटिंग पूरी, अब 2026 में सिनेमाघरों में मचाएगी तहलका

मेघना गुलज़ार की डायरेक्टेड इन्वेस्टिगेटिव क्राइम थ्रिलर 'दायरा' की शूटिंग खत्म हो चुकी है, जिसमें करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन दमदार अंदाज़ में नज़र आएंगे. जंगल्ली पिक्चर्स और पेन स्टूडियोज़ के साथ मिलकर बनी ये फिल्म अब पोस्ट-प्रोडक्शन के मैदान में एंट्री ले चुकी है और 2026 में सिनेमाघरों में धमाका करने के लिए तैयार है। 'दायरा' एक ऐसी कहानी है जो सिर्फ अपराध नहीं दिखाती, बल्कि बताती है कि एक शैतानी हरकत कैसे समाज में बराबर का भूचाल खड़ा कर देती है. ये फिल्म आसान जवाब नहीं देती, बल्कि दिमाग में ऐसे सवाल छोड़ जाती है जो कहानी खत्म होने के बाद भी सिर के अंदर घूमते रहते हैं। मेघना गुलज़ार अपनी सेंसिटिव स्टोरीटेलिंग और तेज़तर्रार नैरेटिव के साथ एक ऐसी दुनिया गढ़ती हैं जो दिमाग पर भी असर डालती है और दिल को भी छू जाती है. करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन की जानदार, लेयर्ड परफॉर्मेंस के साथ-साथ एक मज़बूत एंसेंबल कास्ट इस फिल्म को और भारी-भरकम बनाती है। 'तलवार' और 'राज़ी' के बाद, 'दायरा' मेघना गुलज़ार और जंगल्ली पिक्चर्स का तीसरा कोलैबोरेशन है, जो फिर से ऐसी सिनेमा पेश करने आ रहा है जो चर्चा भी छेड़ेगा और तारीफ़ भी बटोर लेगा। शूटिंग पैकअप हो चुकी है, अब टीम बेसब्री से इंतज़ार कर रही है कि 2026 में ये तेज़, सोच झकझोरने वाली कहानी सिनेमाघरों में दर्शकों से मुलाकात

काशिका कपूर इस त्योहारी सीज़न में अपने क्रिसमस फोटोज़ के ज़रिए फेस्टिव मूड को और भी खास बना रही हैं, जो सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान तुरंत खींच रहे हैं। अभिनेत्री ने छुट्टियों के जश्न को पूरे स्टाइल के साथ अपनाया और अपने सहज लेकिन ग्लैमरस क्रिसमस आउटफिट्स से ज़बरदस्त फैशन इंस्पिरेशन दी।

काशिका कपूर ने अपने शानदार क्रिसमस लुक्स से फैलाया त्योहार का जादू

क्लासिक फेस्टिव रंगों से लेकर एलिगेंट सिलुएट्स तक, काशिका के क्रिसमस लुक्स में चार्म और सॉफिस्टिकेशन का बेहतरीन संतुलन देखने को मिला। उनके फेस्टिव एल्बम का एक खास आकर्षण रहा उनका शानदार वेलवेट ड्रेस, जिसने उनके क्रिसमस स्टाइल में लग्ज़री और टाइमलेस एलिगेंस का तड़का लगा दिया। वेलवेट की रिच टेक्सचर और परफेक्ट फिट ने फेस्टिव वाइब को खूबसूरती से कॉम्प्लिमेंट किया, जिससे यह लुक पूरी तरह शोस्टॉपर बन गया। उनके फेस्टिव अपीयरेंस को खास बनाने में डिटेलिंग का भी बड़ा रोल रहा – मिनिमल लेकिन एलिगेंट मेकअप से लेकर हर लुक के साथ मेल खाते परफेक्टली स्टाइल्ड हेयर तक। काशिका के क्रिसमस पोस्ट्स में एक कोज़ी लेकिन ग्लैमरस एहसास झलकता है, जो सीज़न की असली भावना को उनके पर्सनल स्टाइल के साथ खूबसूरती से पेश करता है। फेस्टिव खुशी में चार चांद लगाते हैं उनकी चमकती मुस्कान और ग्रेसफुल मौजूदगी, जिसने जश्न को और भी खास बना दिया। जैसे-जैसे उनकी क्रिसमस तस्वीरें सोशल मीडिया पर दिल जीत रही हैं, एक बात साफ है – काशिका कपूर को स्टाइल के साथ त्योहार मनाना बखूबी आता है, और उनके क्रिसमस लुक्स ने हमें पूरी तरह दीवाना बना दिया है।

भाषा कलाकार को सीमित नहीं कर सकती, रानी चटर्जी ने बताई सच्चे कलाकार की परिभाषा

कुछ भोजपुरी स्टार्स भोजपुरी सिनेमा के अलावा हिंदी सिनेमा पर भी राज करते हैं। रानी चटर्जी उन्हीं अभिनेत्रियों में से एक हैं, लेकिन अब नीलम वशिष्ठ भी हिंदी सीरियल्स की दुनिया में पहला कदम रखने वाली हैं। अब दोनों अभिनेत्रियों ने भाषा और कला के बारे में खुलकर बात की है। रानी चटर्जी ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह नीलम वशिष्ठ के साथ दिख रही हैं। वीडियो में रानी कहती हैं, 'कलाकार, कलाकार होता है, जो भले ही किसी भी भाषा का क्यों न हो। कलाकार को खुद को सीमित न रखकर एक्सप्लोर करना चाहिए। कला की कोई भाषा नहीं होती। जैसे भावनाएं अलग-अलग होती हैं, कभी इंसान हंसता है, कभी रोता है। ऐसा ही कलाकार होता है, जिसमें कई तरह के किरदार बसे होते हैं। मेरा मानना है कि वे कलाकार सबसे ज्यादा भाग्यशाली होते हैं जिन्हें हर भाषा में काम करने का मौका मिला है क्योंकि हमारे देश में कई भाषाएं हैं और सभी हमारे देश की पहचान भी हैं। वरिष्ठ भोजपुरी अभिनेत्री नीलम वशिष्ठ कहती हैं कि हमारे दर्शक हमारे हर किरदार को बहुत प्यार देते हैं, चाहे वे भोजपुरी में हों या हिंदी में। कलाकार के लिए ये पूरी इंडस्ट्री एक है और सारी भाषाएं उसकी हैं। नीलम वशिष्ठ ने यह भी बताया कि उनकी और रानी चटर्जी की पहली मुलाकात कैसे हुई थी। उन्होंने बताया कि रानी उस वक्त बहुत छोटी थी और फिल्म की शूटिंग देखने के लिए आई थी। हमने कभी नहीं सोचा था कि रानी हमसे भी बड़ी हो जाएगी। नीलम वशिष्ठ जल्द ही कलर्स टीवी के आगामी शो 'मौनरागम-गुनगुनाती खामोशी' में दिखने वाली है और उनका ये पहला हिंदी सीरियल होने वाला है। ये सीरियल समाज के सबसे गंभीर मुद्दे, भ्रूण हत्या, पर कटाक्ष करता है और लड़कियों पर जन्म से हो रहे अत्याचारों को दिखाता है।

वीनस विलियम्स को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के लिए मिली वाइल्ड कार्ड एंट्री

एजेंसी

मेलबर्न : सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस विलियम्स को 18 जनवरी से मेलबर्न में शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 टेनिस टूर्नामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड एंट्री दी गई है। टूर्नामेंट आयोजकों ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि की। 45 वर्षीय वीनस विलियम्स लगभग 28 साल बाद मेलबर्न पार्क में वापसी करेंगी। उन्होंने यहां पहली बार 1998 में खेला था, जब उन्होंने दूसरे दौर में अपनी छोटी बहन सेरेना विलियम्स को हराया था। हालांकि, क्वार्टरफाइनल में उन्हें अमेरिका की ही लिंडसे डेवनपोर्ट के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। वीनस ने नवंबर में घोषणा की थी कि वह ऑस्ट्रेलियन ओपन से दो हफ्ते पहले ऑकलैंड (न्यूजीलैंड) में खेलने उतरेंगी, जहां उन्हें भी वाइल्ड कार्ड मिला है। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलियन ओपन से ठीक पहले वह होबार्ट (ऑस्ट्रेलिया) में होने वाले

एक टूर्नामेंट में भी हिस्सा लेंगी। वीनस विलियम्स आखिरी बार 2021 में मेलबर्न में खेलती नजर आई थीं। वह ऑस्ट्रेलियन ओपन महिला एकल में दो बार उपविजेता रह चुकी हैं–2003 और 2017 में, जब दोनों ही बार उन्हें फाइनल में बहन सेरेना से हार मिली थी। वीनस ने कहा,ह्लमैं ऑस्ट्रेलिया लौटकर बेहद उत्साहित हूं और ऑस्ट्रेलियन समर के दौरान प्रतिस्पर्धा करने को लेकर उत्सुक हूं। यहां मेरी कई शानदार यादें जुड़ी हैं और उस जगह पर लौटने का मौका मिलना मेरे करियर के लिए बहुत मायने रखता है। मेलबर्न पार्क में वीनस का रिकॉर्ड 54 जीत और 21 हार का रहा है। 2026 में यह 22वीं बार होगा जब वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में नजर आएंगी। टूर्नामेंट आयोजकों के अनुसार, वीनस विलियम्स ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी बन जाएंगी। इससे पहले यह रिकॉर्ड जापान की किमिको डेटे के नाम था, जिन्होंने 2015 में 44 साल की उम्र में यहां मुकाबला खेला था।

सिडनी टेस्ट होगा उस्मान ख्वाजा के15 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत

सिडनी : ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने आधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने पुष्टि की कि इंग्लैंड के खिलाफ सिडनी में खेला जाने वाला पांचवां एशेज टेस्ट उनके करियर का आखिरी मुकाबला होगा। यह टेस्ट उनके लिए बेहद खास रहेगा, क्योंकि यही वह शहर है जहां वे बड़े हुए और क्रिकेट का सपना देखा। 39 वर्षीय ख्वाजा अपना 88वां और अंतिम टेस्ट उसी सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेलेंगे, जहां उन्होंने 2011 में टेस्ट डेब्यू किया था। शुक्रवार सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने अपने माता-पिता, पत्नी रेचल और दो बच्चों की मौजूदगी में संन्यास का ऐलान किया। उन्होंने बताया कि टीम के साथियों को इसकी जानकारी उन्होंने अभ्यास सत्र से ठीक पहले दी। ख्वाजा ने कहा कि वह इंटरनेशनल क्रिकेट से विदा ले रहे हैं, लेकिन घरेलू क्रिकेट खेलते रहेंगे। वह केएफसी बिग बैश लीग में ब्रिस्बेन हीट के लिए और शेफील्ड शील्ड में क्वींसलैंड की ओर से उपलब्ध रहेंगे।

शानदार करियर और भावुक विदाई

ख्वाजा ऑस्ट्रेलिया के सबसे भरोसेमंद और लगातार रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शुमार रहे हैं। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 16 शतक हैं और सिडनी टेस्ट में 30 रन बनाते ही वह माइकल हसी (6235 रन) को पीछे छोड़ते हुए ऑस्ट्रेलिया के सर्वकालिक रन स्कोररों की सूची में 14वें स्थान पर पहुंच जाएंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ख्वाजा भावुक नजर आए। उन्होंने कहा,ह्लमैंने कभी नहीं सोचा था कि रिटायरमेंट के समय मैं रो पड़ूंगा, लेकिन जैसे ही मैंने साथियों को बताया, मेरी आंखों से आंसू निकल आए। यह दिखाता है कि क्रिकेट मेरे लिए क्या मायने रखता है।

मैदान के बाहर भी छोड़ी गहरी छाप

उस्मान ख्वाजा ऑस्ट्रेलिया के पहले मुस्लिम टेस्ट क्रिकेटर हैं। उन्होंने नस्लवाद के खिलाफ आवाज उठाने और दक्षिण एशियाई मूल के खिलाड़ियों के लिए बेहतर अवसरों की पैरवी करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, ह्लमैं एक गर्वित मुस्लिम हूं, पाकिस्तान में जन्मा एक रंगीन लड़का, जिसे कहा गया था कि वह कभी ऑस्ट्रेलिया के लिए नहीं खेलेगा झ आज आप देख रहे हैं मैं कहां तक पहुंचा हूं।

संघर्षों से भरा, लेकिन यादगार सफर

ख्वाजा का करियर उतार-चढ़ाव से भरा रहा। 2010-11 एशेज में टेस्ट डेब्यू के बाद उन्हें कई बार टीम से बाहर किया गया। चोटें, चयनकताओं के फैसले और विदेशी दौरों पर खराब फॉर्म झ सब कुछ उन्होंने झेला। एक समय उनका टेस्ट औसत 25.13 तक गिर गया था। लेकिन 2015-16 घरेलू सीजन में शानदार वापसी करते हुए उन्होंने पांच टेस्ट में चार शतक लगाए। 2018 में पाकिस्तान के खिलाफ दुबई टेस्ट में 141 रनों की ऐतिहासिक पारी और 2021-22 एशेज में सिडनी में दो शतक उनके करियर के यादगार पल रहे।

किश्तवाड़ के दच्छन के तचना गांव में लगी भीषण आग, 20 घर जलकर खाक, कई परिवार बेघर

एजेंसी

किश्तवाड़ : किश्तवाड़ के दच्छन इलाके के तचना गांव में गुरुवार देर रात लगी भीषण आग में कम से कम 20 घर जलकर खाक हो गए। इससे बहुत ज्यादा तबाही हुई और कई परिवार बेघर हो गए। अधिकारियों ने बताया कि आग शाम के समय लगी और घरों के पास-पास होने और लकड़ी के ढांचा ज्यादा होने की वजह से तेजी से फैल गई। मुश्किल इलाके, खराब सड़क कनेक्टिविटी और खराब पहुंच की वजह से हालात और खराब हो गए जिससे फायर टेंडर मौके पर देर से पहुंचे।मुश्किल हालात के बीच कई घंटों तक आग बुझाने और बचाव का काम चलता रहा। स्थानीय लोग भी आग पर काबू पाने की कोशिश में शामिल हुए लेकिन जब तक आग पर काबू पाया गया तब तक बहुत ज्यादा नुकसान हो चुका था। शुरूआती जानकारी के अनुसार इस घटना में कई जानवर जलकर मर गए जबकि कम से कम चार लोग जलने से घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए पास के एक हेल्थ सेंटर में ले जाया गया। उनकी हालत स्थिर बताई गई है। आग में जो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए उनमें फिरदौस मीर, इस्माइल मीर, अल्फा मीर, गुलाम मोहम्मद मीर, बशीर अहमद, लियाकत हुसैन, जुबरान, जफर हुसैन, फिरदौस मीर, वसीम, नदीम, तोसेफ, यासीन, अबू सोहेल, मोहम्मद यूसुफ, इस्माइल, बशीर अहमद, अब्दुल कबीर और गुलाम रसूल के घर शामिल हैं। आग में एक किराए का आंगनवाड़ी सेंटर भी पूरी तरह से जलकर खाक हो गया। अधिकारियों ने कहा कि बचाव अभियान के दौरान कई और इमारतों को भी गंभीर नुकसान हुआ जिससे संपत्ति का नुकसान और बढ़ गया। आग लगने का सही कारण अभी पता नहीं चला है और नुकसान का अंदाजा लगाया जा रहा है। अभी तक किसी के मरने की खबर नहीं है। अधिकारियों ने प्रभावित परिवारों को तुरंत राहत देने के लिए कदम उठाए हैं।

छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल में भर्ती के लिए दस्तावेज सत्यापन 12 जनवरी से

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल अंतर्गत मेल नर्स, फीमेल नर्स, लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट, नर्सिंग असिस्टेंट, ड्रेसर एवं कम्पाउंडर पदों की भर्ती प्रक्रिया 2023-24 के तहत चयनित अभ्यर्थियों के लिए दस्तावेज सत्यापन की समय-सारणी जारी कर दी गई है। अध्यक्ष, भर्ती समिति छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल द्वारा जारी सूचना के अनुसार यह प्रक्रिया भर्ती केंद्रझ्ल4वीं वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, माना, जिला रायपुर में आयोजित की जाएगी। गुरुवार की देर रात जारी आदेश के अनुसार सभी अभ्यर्थियों को अपने-अपने पद एवं रोल नंबर के अनुसार निर्धारित तिथि को प्रातः 8:00 बजे अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा। दस्तावेज सत्यापन क्रमशः 12 जनवरी 2026 से प्रारंभ होकर 2 फरवरी 2026 तक चलेगा। समय-सारणी के अनुसार मेल नर्स पद के लिए 12 एवं 13 जनवरी 2026 को, फीमेल नर्स पद के लिए 14 जनवरी से 21 जनवरी 2026 तक, लैब टेक्नीशियन के लिए 22 जनवरी 2026 को तथा फार्मासिस्ट पद के लिए 23, 27, 28 एवं 29 जनवरी 2026 को दस्तावेज सत्यापन किया जाएगा। वहीं नर्सिंग असिस्टेंट एवं ड्रेसर पद के अभ्यर्थियों का सत्यापन 30 जनवरी 2026 को एवं कम्पाउंडर पद के अभ्यर्थियों का 2 फरवरी 2026 को किया जाएगा।

मध्य प्रदेश में सर्दी का सितम जारी, पचमढ़ी–कल्याणपुर रहे सबसे ठंडे, 24 घंटे बाद बढ़ेगी और ठंड

- राज्य के उत्तरी हिस्सों में छा रहा घना कोहरा

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में नए साल की शुरूआत ठंड और कोहरे के साथ हुई। हालांकि गुरुवार को तेज सर्दी तो नहीं रही, लेकिन राज्य के उत्तरी हिस्सों में 16 जिलों में घना कोहरा छाया। जबकि 5 जिलों में बादल रहे। इस दौरान शहडोल का कल्याणपुर और हिल स्टेशन पचमढ़ी राज्य के सबसे ठंडे स्थान रहे। मौसम विभाग का कहना है कि 3 जनवरी से प्रदेश में फिर कड़ाके की ठंड और घना कोहरा देखने को मिलेगा। गुरुवार को श्योपुर, मुरैना, ग्वालियर, भिंड और दतिया में बादल छाए रहे। दतिया में कोहरा इतना घना था कि दृश्यता मात्र 50 मीटर तक सीमित रह गई। वहीं, खजुराहो, सतना, ग्वालियर, रीवा, सीधी, भोपाल, गुना, इंदौर, उज्जैन, राजगढ़, रतलाम, नर्मदापुरम, खरगोन, श्योपुर और दमोह में भी कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग के अनुसार, 3, 4 और 5 जनवरी को ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, सीधी और सिंगरौली में घना कोहरा रहने के साथ ठंड का असर भी बढ़ेगा। कोहरे के चलते रेल यातायात प्रभावित हुआ है। दिल्ली से आने वाली कई ट्रेनें लगातार 8 से 10 घंटे तक लेट हुईं।

पचमढ़ी–कल्याणपुर सबसे ठंडे

हिल स्टेशन पचमढ़ी में बुधवार-गुरुवार की रात में न्यूनतम तापमान 5.4 डिग्री दर्ज किया गया। शहडोल के कल्याणपुर में यह 6.4 डिग्री रहा। शिवपुरी, खजुराहो, अमरकंटक, राजगढ़, रीवा, नौगांव, उमरिया, मंडला, मलाजखंड, टीकमगढ़, दतिया, नरसिंहपुर, रायसेन, छिंदवाड़ा और इंदौर में भी पारा 10 डिग्री से नीचे रहा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, नवंबर-दिसंबर में रिकॉर्ड ठंड के बाद जनवरी में भी राज्य में कड़ाके की ठंड और शीतलहर की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) और पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी के कारण ठंड का असर बढ़ेगा। जेट स्ट्रीम की रफ्तार गुरुवार को 222 किमी/घंटा तक पहुंची, जिससे रात के तापमान में गिरावट आई। इस बार सुबह के समय घना कोहरा, कोल्ड डे और शीतलहर लोगों को आम दिनचर्या में परेशानी पैदा कर सकते हैं।

ईरान में महंगाई के खिलाफ भड़की चिंगारी से अशांति, पवित्र शहर कोम में खामेनेई शासन के खिलाफ गूंजे नारे

एजेंसी

तेहरान (ईरान) : ईरान में महंगाई और डॉलर के मुकाबले गिरती ईरानी मुद्रा रियाल की कीमत के खिलाफ शुरू प्रदर्शन देश के कई हिस्सों में फैल गया। विरोध प्रदर्शन के पांचवें दिन कोम में कम से कम तीन लोगों को गोली मारकर हत्या कर दी गई। राजधानी तेहरान के ग्रैंड बाजार से रविवार को भड़की चिंगारी की लपटों से देश जल उठा है। इससे पवित्र शहर कोम भी अछूता नहीं रहा। पांच दशक में पहली बार इस शहर में खामेनेई शासन के खिलाफ नारे गूंजने लगे हैं। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, आंदोलन के पांचवें दिन फूलदशहर, दारियुश अंसारी बख्तियारवंद, कुहदाश्त, अमीर-हेसाम खोदायरीफर्द, अजना, शायन असदुल्लाही में हुई झड़पों में कम से कम चार प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। ईरान के पवित्र शहर कोम में अशांति फैल गई है। कोम शिया मौलवियों और इस्लामिक गणराज्य का एक मुख्य गढ़ है। यहां भारी सुरक्षा के बावजूद बेखौफ प्रदर्शनकारियों ने अयातुल्ला अली खामेनेई शासन के खिलाफ नारेबाजी की। सुरक्षा कर्मचारियों की गोलीबारी में कम से कम तीन प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। तेहरान, मशहद, इस्फहान, लोरेस्टान, खुजेस्तान और छोटे शहरों में रातभर प्रदर्शनकारी सड़कों पर नारेबाजी करते रहे। पिछले पांच दशक में यह पहली बार है कि लोगों ने खामेनेई शासन के खिलाफ बगावत शुरू कर दी है। मध्य ईरान के कज्विन और पवित्र शहर कोम में प्रदर्शनकारियों ने 'यह आखिरी लड़ाई है' जैसे नारे लगाए। उत्तरी ईरान में रातभर प्रदर्शनकारियों ने तानाशाह मुदार्बाद के नारे लगाए।

फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, विपक्षी समूह नेशनल काउंसिल ऑफ रेजिस्टेंस ऑफ ईरान ने बताया कि गुरुवार सुबह तेहरान, मारवदश्त, केरमानशाह, डेल्फान और अराक समेत कई शहरों में सड़कों पर प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच झड़पें जारी रहीं। चहारमहल और बख्तियारी प्रांत के लोरदेगान में रात भर गोलीबारी हुई है। रिवोल्यूशनरी गार्ड्स से संबद्ध फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, भीड़ ने सरकारी इमारतों पर पत्थर फेंके। प्रदर्शनकारियों ने गवर्नर ऑफिस, न्यायपालिका, शहीद फाउंडेशन, शुक्रवार की नमाज कॉम्प्लेक्स और कई बैंकों को निशाना बनाया। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया। इस दौरान कई इमारतों को नुकसान हुआ। झड़पों में दो लोग मारे गए। कुर्द अधिकार समूह हेंगाओ ने बताया कि लोरदेगान में प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों गोलीबारी की। कुहदाश्त में अधिकारियों ने कहा कि झड़पों में बासिज स्वयंसेवी अर्धसैनिक बल का एक सदस्य मारा गया और 13 अन्य घायल हो गए। अमेरिका स्थित मानवाधिकार समूह ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी कहा कि तेहरान में विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिरासत में ली गई छह महिलाओं को एविन जेल के महिला वार्ड में भेज दिया गया है।

मप्र: मुख्यमंत्री आज खाचरौद में 74.35 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की देंगे सौगात

सांदीपनि विद्यालय का होगा लोकार्पण

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शुक्रवार को उज्जैन जिले के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे खाचरौद में 74.35 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के विभिन्?न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी अनिकेत शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव खाचरौद में आयोजित कार्यक्रम में 48.51 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और 25.84 करोड़ के विकास कार्यों का भूमि-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री यहां 35.40 करोड़ की लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण करेंगे। साथ ही खाचरौद में 9 करोड़ 10 लाख रुपए की लागत से बनने वाले संयुक्त तहसील कार्यालय भवन का भूमि-पूजन करेंगे।

अयोध्या कैलेंडर का लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी ने किया अनावरण

बोले विश्व पटल पर भारत की सांस्कृतिक चेतना का केंद्र है अयोध्या

एजेंसी

अयोध्या : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में अयोध्या कैलेंडर का अनावरण किया। इस अवसर पर मंडलायुक्त अयोध्या राजेश कुमार, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे तथा अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अनुराज जैन उपस्थित रहे। कैलेंडर की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या विश्व पटल पर भारत की गौरवशाली परंपरा और सांस्कृतिक चेतना का प्रमुख केंद्र है। यह कैलेंडर अयोध्या की आध्यात्मिक ऊर्जा, सांस्कृतिक वैभव और ऐतिहासिक महत्ता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करता हैं। उन्होंने कहा कि कैलेंडर में सम्मिलित छायाचित्रों के माध्यम से अयोध्या की दिव्यता, धार्मिक आस्था और स्थापत्य सौंदर्य का जीवंत चित्रण किया गया है। ये आकर्षक एवं भावपूर्ण छायाचित्र फोटोग्राफर राजेश कुमार सिंह द्वारा लिए गए हैं, जो रामनगरी की विशिष्ट पहचान को सशक्त रूप में उभारते हैं। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि अयोध्या कैलेंडर न केवल रामनगरी की पहचान को और सुदृढ़ करेगा, बल्कि देश-विदेश में अयोध्या की सांस्कृतिक महत्ता को भी रेखांकित करेगा। साथ ही यह कैलेंडर अयोध्या की आध्यात्मिक चेतना, पर्यटन संभावनाओं और सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशिया में भी खरीदारी का रुख

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में नए साल की छुट्टी होने की वजह से पिछले सत्र के दौरान कोई कारोबार नहीं हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान नए साल की छुट्टी की वजह से बंद रहे। वहीं एशियाई बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ है। अमेरिकी बाजार में साल 2026 के पहले दिन छुट्टी रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट में पिछले सत्र के दौरान कोई कारोबार नहीं हुआ। हालांकि आज डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 192.80 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 48,256.09 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। एशियाई बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। वहीं टोक्यो स्टॉक एक्सचेंज और स्टॉक एक्सचेंज ऑफ थाईलैंड में छुट्टी होने की वजह से निक्केई इंडेक्स और सेट कंपोजिट इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं हुआ है। गिफ्ट निफ्टी आज फिलहाल 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ 26,353 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,665.65 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने आज जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 591.46 अंक यानी 2.31 प्रतिशत उछल कर 26,222 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 1.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,227.43 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 318.84 अंक यानी 1.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ 29,282.44 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.70 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,707.12 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,968.84 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

दक्षिण बंगाल में कड़ाके की ठंड, दार्जिलिंग में बर्फबारी की संभावना

कोलकाता : कोलकाता समेत पूरे दक्षिण बंगाल में ठंड का असर लगातार बना हुआ है। कैनिंग से काकद्वीप और आसनसोल से हुगली तक लोग सर्द हवाओं से कांप रहे हैं। मौसम का यह मिजाज अगले कुछ दिनों तक जारी रहने के आसार हैं। इस बीच उत्तर बंगाल के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी की संभावना ने ठंड और बढ़ा दी है। अलीपुर मौसम विभाग की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार, दक्षिण बंगाल के जिलों में अगले चार से पांच दिनों तक कोहरे का प्रकोप देखने को मिल सकता है। दक्षिण 24 परगना, झाड़ग्राम, पुरुलिया, बांकुड़ा, पूर्व बर्दवान और पश्चिम बर्दवान में घने कोहरे की आशंका जताई गई है। सुबह और देर रात दृश्यता कम रहने की संभावना है। उत्तर बंगाल के जिलों में फिलहाल न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। हालांकि इसके बाद धीरे-धीरे ठंड में कमी आ सकती है। यहां भी सुबह के समय कोहरा छाया रहेगा। दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी और कलिम्पोंग जिलों में हल्की बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने दार्जिलिंग के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी की भी चेतावनी दी है। कोहरे का असर वहां भी बना रहेगा। शुक्रवार सुबह कोलकाता का न्यूनतम तापमान 13.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.1 डिग्री कम है। मौसम विभाग का कहना है कि फिलहाल लोगों को ठंड और कोहरे से राहत मिलने की उम्मीद कम है।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन आज से दो दिन के तमिलनाडु के दौरे पर

चेन्नई : उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन आज दो दिवसीय तमिलनाडु दौरे के लिए चेन्नई पहुंच रहे हैं। वे राजभवन में ठहरेंगे और चेन्नई के एमजीआर शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय के 34वें वार्षिकोत्सव समारोह में शामिल होंगे। वह आज शाम चेन्नई कला विहार सभागृह में होने वाले सार्वजनिक स्वागत समारोह में भी लेंगे। अगले दिन वेलूर में स्थित स्वर्ण मंदिर में होने वाले स्वर्ण उत्सव समारोह में भी वह भाग लेंगे। इसके बाद दोपहर को चेन्नई तिरुवल्लिकेणी में कला विहार सभागृह में होने वाले 9वें सिद्ध दिवस उत्सव समारोह में मौजूद रहेंगे। तत्पश्चात दिल्ली के लिए रवाना होंगे। दो दिन पहले वह दो दिवसीय यात्रा पर रामेश्वरम आए थे।

मुख्यमंत्री साय आज दंतेवाड़ा दौरे पर, बस्तर पण्डुम कार्यक्रम में होंगे शामिल

रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज शुक्रवार को दंतेवाड़ा जिले के दौरे पर रहेंगे। मुख्यमंत्री साय आज सुबह 11 बजे रायपुर से दंतेवाड़ा रवाना होंगे। जहां वे मां दंतेश्वरी मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे। इसके बाद बस्तर पण्डुम 2026 कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहां से वे नवीन सर्किट हाउस दंतेवाड़ा के लिए रवाना होंगे. फिर दोपहर 2.35 बजे दंतेवाड़ा से रायपुर के लिए रवाना होंगे।

जबलपुर : अलॉट किसी कार्य के लिए चल कुछ और रहा, हाईकोर्ट ने बेदखली को उचित ठहराया

जबलपुर : मप्र हाईकोर्ट की जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने भोपाल के मण्डीदीप के इंडस्ट्रियल एरिया में आवंटित प्लॉट से बेदखली की कार्रवाई पर सवाल उठाने वाले रायसेन के व्यापारी की याचिका को खारिज कर दिया है। रायसेन के व्यापारी अथर हुसैन की ओर से दायर इस याचिका में कहा गया था कि उनकी फर्म नंदोरा ग्रुप को 13 जुलाई 2017 को मण्डीदीप के इंडस्ट्रियल एरिया में 30 हजार वर्ग फुट जमीन आवंटित हुई थी। वहां पर प्रीकॉस्ट वॉल्स और सीमेन्ट पेवर्स ब्लॉक्स की यूनिट स्थापित होनी थी। याचिकाकर्ता और भोपाल नगर निगम के बीच तीन फरवरी 2018 को लीज का भी निष्पादन हुआ। उक्त जमीन का निरीक्षण करने पर वहां कंक्रीट मिक्सर प्लान्ट का संचालन पाए जाने पर उसे 60 दिन में बंद करने के निर्देश दिए गए। इसके बाद एमपी इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के एमडी द्वारा लीज निरस्त करके के लिए की जा रही बेदखली की कार्रवाई को चुनौती देकर यह याचिका दायर की गई थी। सुनवाई के बाद बेंच ने मामला हस्तक्षेप योग्य न पाते हुए याचिका खारिज कर दी। बेंच ने कहा कि लीज निरस्तीकरण का आदेश अंतिम रूप ले चुका है, इसलिए बेदखली की कार्रवाई पर सवाल उठाने का अब कोई आधार नहीं है। बेंच ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता को प्लॉट का आवंटन पेवर ब्लॉक्स बनाने के लिए हुआ था, लेकिन वहां पर कंक्रीट सीमेन्ट मिक्सर प्लान्ट चल रहा था। गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से शासकीय अधिवक्ता राजवर्धन दत्त पड़रहा ने दलीलें रखीं।

न्यूज IN ब्रीफ

बाइक के चपेट में आने से एक युवा घायल

साहिबगंज : तालझारी थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में एक किशोर घायल हो गया घायल किशोर को इलाज के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल लाया गया बताया जा रहा है कि बिहार के कहलगांव निवासी शंभू साह के 17 वर्षीय पुत्र अभिषेक कुमार साहिबगंज आया हुआ था और ई-रिक्शा में सवार होकर तालझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत मोती झरना घूमने के लिए दोस्त के साथ गया हुआ था। मोती झरना से रिक्शा में सवार लौटते वक्त बांसकोला के समीप बाइक सवार ने टक्कर मार दिया टक्कर लगने से अभिषेक कुमार के पैर जख्मी हो गया।बरहाल घायल युवक का इलाज सदर अस्पताल में डॉक्टर केशव कृष्णा के देखरेख में किया गया।

अंग्रेजी नववर्ष में मंदिरों में भक्तों की भीड़ पूजन दर्शन करने उमड़ पड़ी

साहिबगंज : अंग्रेजी नववर्ष के पहले दिन गुरुवार को अहले सुबह से ही भक्त पवित्र गंगा नदी में स्नान करके अपने आसपास के प्रमुख मंदिरों व शिवालयों में पूजा अर्चना करने के लिए भारी संख्या में पहुंचकर अपने परिवार की खुशहाली की कामना की। जहां अहले सुबह से ही गंगा तट पर स्नान करने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। उधर गंगा स्नान करने के बाद सभी श्रद्धालु मां बायसी मंदिर, तालबन्ना काली मंदिर, डाकीनाथ मंदिर, महाकालेश्वर मंदिर, पुलिस लाईन मंदिर, बरहेट प्रखंड के शिवगादी धाम, तालझारी प्रखंड के मोतीझरना धाम, बरहरवा स्थित मां बिंदुवासिनी धाम, मिजाचौकी स्थित मां रक्सी स्थान, बोरियो बोंगाकोचा सहित अन्य शिवालयों व मंदिरों में भक्तों की भीड़ पूजन दर्शन करने उमड़ पड़ी। जहां सुरक्षा के लिहाज से सभी प्रमुख मंदिरों व शिवालयों में अतिरिक्त पुलिस बलों की तैनाती जिला प्रशासन ने पहले से ही कर रखी थी ताकि किसी भी प्रकार की कोई अप्रिय घटना घटित न हो पाए। उधर जिले के विभिन्न मंदिरों में सभी श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना करते हुए जिलेवासियों व राज्य की तरक्की की कामना भगवान से की।

गरीब बस्तियों में अलाव की कोई व्यवस्था नहीं : संत कुमार

साहिबगंज/राजमहल : साहिबगंज जिले में बढ़ती भीषण ठंड और शीतलहर को देखते हुए हिंदू धर्म रक्षा मंच के केंद्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष ने उपायुक्त साहिबगंज को पत्र लिखकर आम नागरिकों और जरूरतमंदों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।श्री घोष ने बताया कि साहिबगंज नगर परिषद (वार्ड 1 से 28 और राजमहल नगर पंचायत के अंतर्गत आने वाली गरीब बस्तियों में अलाव की कोई व्यवस्था नहीं है।प्रशासन द्वारा केवल मुख्य सड़कों पर खानापूर्ति की जा रही है,जबकि असली ठंड का प्रकोप बस्तियों में रहने वाले गरीबों पर है।पत्र में बताया कि अभी तक प्रशासन द्वारा जरूरतमंदों और असहायों के बीच कंबल का वितरण शुरू नहीं किया गया है।संत कुमार घोष ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत हर नागरिक को गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार है।इस कड़ाके की ठंड में अलाव और कंबल जैसी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराना नगर निकाय की संवैधानिक जिम्मेदारी है।हिंदू धर्म रक्षा मंच ने उपायुक्त से मांग की है कि साहिबगंज और राजमहल के सभी वार्डों के प्रमुख चौराहों और चिन्हित गरीब बस्तियों में तत्काल अलाव जलाए जाएं और कंबल वितरण किया जाए।उन्होंने पत्र की प्रतिलिपि साहिबगंज नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी और राजमहल नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी को भी भेजा है।

धनबाद में दो गुटों के बीच हिंसक झड़प, एक युवक पर कुल्हाड़ी से हमला

धनबाद : पुटकी थाना क्षेत्र के पासी धौड़ा में दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। दोनों तरफ से लाठी-डंडे और पत्थर चले। यह विवाद पुरानी दुश्मनी और खाने-पीने को लेकर हुए झगड़े से शुरू हुआ और हिंसा में बदल गया। दोनों गुटों के बीच पहले से चले आ रहे झगड़े के कारण हुई इस जोरदार लड़ाई में रवि कुमार पासी पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया, जिससे उसका सिर फट गया। उसका इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

घटना के बाद दोनों गुटों के लोग एक-दूसरे पर ईंट-पत्थर फेंकने लगे। इलाके में तोड़फोड़ भी हुई। पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इलाके में अभी भी तनाव बना हुआ है। सूचना मिलने पर कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को स्थिति को काबू करने में काफी मुश्किल हुई। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए इलाके को पुलिस छावनी में बदल दिया गया है और बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

इस बीच, रवि पासी के पिता बद्री पासी ने बताया कि उनका बेटा घर के बाहर चाय पी रहा था, तभी कुछ लोगों ने उस पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इस हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुटकी थाना प्रभारी वकार हुसैन ने बताया कि पानी की टंकी के पास एक गुट के लोगों ने रवि पासी के साथ मारपीट की। जिसमें रवि पासी गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद दोनों गुटों के बीच पत्थरबाजी हुई। इस घटना में एक पुलिसकर्मी भी घायल हो गया। उन्होंने बताया कि यह घटना पुरानी रंजिश के कारण हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

गोलियों की तड़तड़ाहट से धनबाद में नए साल की शुरूआत, दहशत में लोग

धनबादः निरसा थाना क्षेत्र के खुदिया नदी काली माटी कॉलोनी में नए साल की शुरूआत फिल्मी स्टाइल में गोलियों की तड़तड़ाहट से हुई। बाइक पर सवार युवकों ने दोनों हाथों में पिस्तौल लेकर अंधाधुंध फायरिंग की, जिससे कॉलोनी में अफरा-तफरी मच गई। यह घटना पैसे के लेन-देन को लेकर हुई बताई जा रही है। हालांकि, इस फायरिंग में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। स्थानीय निवासी गुड्डू चौहान के अनुसार, बाइक पर सवार दो युवक काली मंदिर की दिशा से कॉलोनी की ओर आए। पीछे बैठा युवक दोनों हाथों में पिस्तौल लेकर अंधाधुंध फायरिंग करते हुए आए। कॉलोनी में मौजूद लोग बाल-बाल बच गए, लेकिन पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। गुड्डू चौहान ने फायरिंग करने वाले युवक का नाम युवराज बताया है।

निरसा पुलिस और एसडीपीओ रजत माणिक बाकला के मुताबिक, यह घटना पैसे के लेन-देन के विवाद का परिणाम है। निरंजन नाम के एक युवक ने किसी व्यक्ति से 15,000 रुपये उधार लिए थे। पैसे लौटाने में आनाकानी करने और फोन न उठाने पर विवाद बढ़ा। रास्ते में निरंजन मिलने पर हल्की झड़प हुई, जिसके बाद युवकों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी।

घटना स्थल से पुलिस ने करीब 6 खोखे बरामद किए हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही दोषियों को पकड़ा जाएगा। गुड्डू चौहान का कहना है कि विवाद में दोनों पक्षों में लड़कों की संख्या क्रमशः 4-5 और 7-8 थी। कॉलोनी में दहशत फैलाने के लिए जान-बूझकर फायरिंग की गई। निरसा एसडीपीओ रजत माणिक बाकला ने कहा, ₹यह फायरिंग पैसे के विवाद को लेकर हुई है। जांच जारी है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

प्रमंडलीय आयुक्त अंजनी कुमार मिश्र के विदाई समारोह में उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने दी शुभकामनाएं

प्रशासनिक अनुभव तथा समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहा है : मंजूनाथ भजन्त्री

झारखंड राज्य की सेवा करना गौरव की बात रही : प्रमंडलीय आयुक्त

ज्योति पाठक

रांची : प्रमंडलीय आयुक्त (दक्षिणी छोटा नागपुर), अंजनी कुमार मिश्र, की सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में एक भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री, ने विशेष रूप से भाग लिया और अंजनी कुमार मिश्र को उनके उत्कृष्ट प्रशासनिक योगदान के लिए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करते हुए भविष्य के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं दीं।

समारोह में उपस्थित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों तथा गणमान्य नागरिकों ने भी अंजनी कुमार मिश्र के लंबे प्रशासनिक करियर की सराहना की। आयुक्त दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल (जिसमें रांची, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा तथा खूंटी जिले शामिल हैं) के प्रमंडलीय आयुक्त के रूप में वर्षों तक कुशलतापूर्वक कार्य किया। उनके कार्यकाल में प्रमंडल के विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तथा विधि-व्यवस्था के रखरखाव में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रशासनिक अनुभव तथा समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहा है

उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने अपने संबोधन में कहा, ₹ अंजनी कुमार मिश्र जी का प्रशासनिक अनुभव तथा समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहा है। उनके मार्गदर्शन में प्रमंडल ने कई उपलब्धियां हासिल कीं। सेवानिवृत्ति के पश्चात उनके स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना करता हूं तथा भविष्य की सभी योजनाओं के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

प्रमंडलीय आयुक्त (दक्षिणी छोटा नागपुर), अंजनी कुमार मिश्र ने समारोह को संबोधित करते हुए सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि झारखंड राज्य की सेवा करना उनके लिए गौरव की बात रही। उन्होंने नवागत अधिकारियों को प्रमंडल के विकास एवं जनता की सेवा में निरंतर समर्पित रहने की सलाह दी। विदाई समारोह में प्रमंडलीय आयुक्त को स्मृति चिन्ह, शॉल तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह का आयोजन प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में जिला स्तरीय वरीय पदाधिकारी भी शामिल हुए।

हुसैनाबाद के अनुमंडल पदाधिकारी ओम प्रकाश गुप्ता बने हजारीबाग के नगर आयुक्त

बिनय मिश्रा

भारतीय प्रशासनिक सेवा 2021 बैच के लोकप्रिय कर्मठ और उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचाने जाने वाले आईएएस अधिकारी ओम प्रकाश गुप्ता हजारीबाग नगर निगम के नगर आयुक्त बनाए गए हैं। आज उन्होनें अपना पदभार भी ग्रहण किया। गौरतलब हो कि श्री गुप्ता इससे पूर्व पलामू जिला के हुसैनाबाद अनुमंडल में अनुमंडल पदाधिकारी के रूप में पदस्थापित थे इससे पूर्व वे बोकारो जिला के चास में भी अनुमंडल पदाधिकारी रह चुके हैं। इसके अलावे श्री

गुप्ता योजना एवं विकास विभाग के संयुक्त सचिव भी रह चुके हैं। श्री गुप्ता जहाँ भी पदस्थापित रहे अपने उत्कृष्ट और बेहतर कार्यों से अपनी सशक्त पहचान बनाने में सफल रहे। ऐसे आईएएस अधिकारी से विभाग और राज्य दोनों गौरवान्वित होते हैं।

छवि रंजन बने अभियान निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

बिनय मिश्रा

भारतीय प्रशासनिक सेवा 2011 बैच के आईएएस अधिकारी छवि रंजन को अभियान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन बनाया गया है। श्री रंजन अबू इमरान से अपना पदभार ग्रहण करेंगे। श्री झारखंड के वरीय आईएएस अधिकारी हैं तथा वे कोडरमा सरायकेला खरसावां के अलावे रांची के उपायुक्त रह चुके हैं। कोरोना काल में उनके द्वारा 18 से 20 घंटे तक निरंतर कार्य करने वाले उपायुक्त के रूप में उनकी पहचान रही। वे स्वयं अस्पताल जाकर कोरोना पीड़ितों के हालात जानने

के साथ साथ उनके बेहतर इलाज की व्यवस्था में निरंतर जुटे रहते थे जागरुकता हेतु सेल्फी लेकर जानकारी का आदान प्रदान काफी सफल रहा था तथा स्वास्थय कर्मियों के प्रोत्साहन हेतु उनके साथ भोजन कर उनका आत्मबल बढ़ाने वाले उपायुक्त के रूप में रही। श्री रंजन कृषि एवं समाज कल्याण के निदेशक भी रहे तथा उपायुक्त रहते हुए रिम्स के निदेशक भी बनाए गए थे इस प्रकार से उनका लंबा प्रशासनिक अनुभव और कार्य इस विभाग के लिए कारगर और उपयोगी भी होगा।

कतरास रेलवे स्टेशन पर नई ट्रेनों के ठहराव की उम्मीद, यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत

संवाददाता

धनबाद : मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्रा ने कतरासगढ़ रेलवे स्टेशन का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों को तेजी से सुधार कार्य पूरे करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही यात्रियों की समस्याओं पर भी चर्चा की। डीआरएम अखिलेश मिश्रा ने कतरासगढ़ रेलवे स्टेशन पहुंचने पर नए प्लेटफॉर्म निर्माण कार्य, फुट ओवरब्रिज और बुकिंग काउंटर की प्रगति का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तकनीकी कारणों से कुछ देर जरूर हुई है लेकिन भविष्य को ध्यान में रखते हुए डिजाइन में सुधार किए गए हैं।

इस दौरान डीआरएम मिश्रा ने रेलवे पुलिसकर्मियों के बैरक का निरीक्षण भी किया। उन्होंने बैरक की साफ-सफाई और सुविधाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

स्टेशन परिसर के बाहर जाम की समस्या

स्टेशन परिसर के बाहर जाम की समस्या पर डीआरएम ने जानकारी देते हुए बताया कि रेलवे परिसर के अंदर व्यवस्था करना उनका दायित्व है लेकिन बाहर की सड़क और ट्रैफिक की जिम्मेदारी जिला प्रशासन की है। रेलवे परिसर की व्यवस्था हमारी जिम्मेदारी है लेकिन बाहर लगने वाले जाम के लिए जिला प्रशासन जिम्मेदार है।

दूसरे छोर को जोड़ने वाला ओवरब्रिज नहीं हुआ अप्रूव

वहीं डीआरएम ने यह भी जानकारी दी कि स्टेशन के दूसरे छोर को जोड़ने वाले ओवरब्रिज का नया डिजाइन फिलहाल अप्रूव नहीं हुआ है और इस पर जल्द फैसला लिया जाएगा। डीआरएम ने कतरास स्टेशन पर नई ट्रेनों के ठहराव के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि पहले से एक ही प्लेटफॉर्म है, दो अन्य प्लेटफॉर्म का निर्माण कार्य चल रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि पैसेंजर फिटनेस मिलने के बाद इस दिशा में और कदम आगे बढ़ाए जाएंगे। हालांकि, तत्काल एक्सेस बढ़ाने से यात्रियों को असुविधा हो सकती है और चल रहे प्रगति कार्यों पर भी असर पड़ने की संभावना है लेकिन स्थानीय यात्रियों की कनेक्टिविटी के लिए यह एक बड़ी राहत साबित हो सकती है। इससे कतरास स्टेशन के विकास और आसपास के क्षेत्र में यात्रफ सुविधाओं को मजबूती मिलेगी। स्थानीय निवासियों के लिए यह एक बड़ा बदलाव साबित हो सकता है।

जमशेदपुर में गरजेगा सरकारी बुलडोजर, ध्वस्त कर दी जाएंगी 27 दुकानें

जमशेदपुर : टाटानगर स्टेशन चौक से कीताडीह रोड में 5 जनवरी को रेलवे का बुलडोजर दौड़ सकता है। डीआरएम के आदेश पर रेलवे इंजीनियरिंग विभाग ने गुरुवार को आरपीएफ जवानों के साथ स्टेशन चौक से बागबेड़ा थाना मोड तक 27 लीजधारी दुकानों को नोटिस दिया है।

इसमें 3 जनवरी तक रेलवे जमीन खाली करने का आदेश है। इससे पांच जनवरी को रेलवे द्वारा बुलडोजर से दुकानों को तोड़ने की उम्मीद है। हालांकि, स्टेशन चौक से कीताडीह रोड के दुकानदार जमशेदपुर के सांसद से भी मिले थे, लेकिन किसी तरह से छूट नहीं मिली और रेलवे ने अंतिम नोटिस थमा दिया है। इससे 50-60 वर्ष से रेलवे की जमीन पर व्यवसाय करने वाले परेशान हैं। हालांकि रेलवे के तीसरे नोटिस पर ही चार लोगों ने दुकान खाली कर दिया। अन्य ने दूसरे क्षेत्र में दुकान खोलने की जगह का चयन कर लिया। बताया जाता है कि टाटानगर स्टेशन पुनर्विकास योजना से रेलवे इंजीनियरिंग विभाग ने अभी स्टेशन चौक से कीताडीह रोड में रनिंग रूम तक के दुकानदारों को ही नोटिस दिया है। इससे 32 दुकानदारों को नोटिस दिया गया है। दूसरे चरण में कीताडीह त्रिमूर्ति चौक से पूर्व नाला तक रेलवे का अतिक्रमण हटाओं अभियान चलेगा। 100 से ज्यादा लोगों को इंजीनियरिंग विभाग ने नोटिस देकर जमीन खाली करने का आदेश दिया है।

नए साल पर सैलानियों का पसंदीदा स्थल बना तिलैया डैम, उमड़ी भीड़

महादेव कुमार

कोडरमा : जिले का ऐतिहासिक तिलैया डैम नए साल के स्वागत के लिए सैलानियों का पसंदीदा पर्यटन स्थल बन गया है। प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और आधुनिक सुविधाओं के कारण हर साल 1 जनवरी को यहां बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। इस बार तिलैया डैम में फ्लोटिंग बोट की सुविधा ने आकर्षण और बढ़ा दिया है, जिससे नये साल का जश्न और भी यादगार बन रहा है। सैलानी सुबह से यहां इकठ्ठा होने शुरू हो गए हैं। सभी अपने परिवार, साथी/मित्र व अन्य लोगों के साथ भारी संख्या में यहां पहुंचे हुए हैं। एनएच 20, डैम पर बने टापू और आसपास के पहाड़ इसकी खूबसूरती को चार चांद लगाते हैं। यही वजह है कि यहां न सिर्फ कोडरमा बल्कि हजारीबाग, गिरिडीह चतरा जिले के साथ-साथ पड़ोसी राज्य बिहार के भी कई जिलों से लोग पिकनिक मनाने इकठ्ठा हो रहे। यहां पहुंचकर लोग अपने स्वरूचि भोजन का पकवान करने के साथ-साथ, डीजे की धुन पर नाचते गाते नजर आते हैं। वहीं इसकी खूबसूरती लोगों को अपने मोबाइल और कैमरों में कैद करने को मजबूर कर देते हैं। इसी वजह से लोग खासकर युवक-युवतियां यहां पहुंचते ही सेल्फी लेना शुरू कर देते हैं और अपने अपने सोशल मीडिया पर उसे शेरेकर देते हैं। बताते चलें कि इस वर्ष तिलैया डैम की सबसे बड़ी खासियत इसकी फ्लोटिंग बोट सेवा है। डैम के बीचों बीच चलती यह बोट पर्यटकों को पानी पर तैरते हुए आसपास की हरियाली, पहाड़ियों और सूर्योदय-सूर्यास्त के मनोरम दृश्य देखने का मौका देती है। परिवार, युवा और कपल्स के बीच यह बोटिंग काफी लोकप्रिय हो रही है।

सुरक्षा का रखा गया पूरा इंतजामः नए साल के मौके पर तिलैया डैम केवल बोटिंग तक सीमित नहीं है। यहां पिकनिक स्पॉट, फोटोग्राफी पॉइंट, बच्चों के लिए खेलकूद की सुविधाएं और स्थानीय खान-पान के स्टॉल भी सैलानियों को आकर्षित कर रहे हैं। बढ़ती भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। डैम परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल, पार्किंग व्यवस्था, ट्रैफिक कंट्रोल और आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है। बोटिंग के दौरान लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य है, ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना से बचा जा सके। इधर पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने भी लोगों से डैम के आसपास सतर्कता बरतने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि शराबियों और हुड़दंगियों पर विशेष नजर रहेगी। किसी भी प्रकार के असामाजिक तत्वों को गलत करते हुए पकड़े जाने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी भी दी जा चुकी है।